सांध्य दैनिक
# नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

**सु-विचार**

*" संगत का विशेष ध्यान रखें, क्योंकि सफलता हमेशा अच्छे विचारों से आती है और अच्छे विचार अच्छे लोगों के संपर्क से आते हैं।...!! "*

*अज्ञात...*

वर्ष–01 अंक–105 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, मंगलवार 05 मई 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए

# पश्चिम बंगाल में बीजेपी की जीत और छत्तीसगढ़ के चुनिंदा चेहरों की रही प्रभावी सक्रियता

*याज्ञवल्क्य मिश्रा / रायपुर*

आखिरकार बीजेपी ने अब तक अभेद्य पश्चिम बंगाल के क़िले पर केसरिया झंडा लहरा दिया है। यूँ इस जीत हार की मीमांसा अभी होनी शेष है। मगर जिस बात पर बहुत ज़्यादा बहस नहीं है वह यह है कि बीजेपी छत्तीसगढ़ के चुनिंदा चेहरे जो इस चुनाव में पूरी ताक़त से सक्रिय थे वो अब नितिन नबीन की राष्ट्रीय टीम का हिस्सा बन सकते हैं।

## इन नामों की गंभीरता से चर्चा

बीजेपी के लिए यह चुनाव इस कदर गंभीर था कि,पहली बार एक ही राज्य में कई मुख्यमंत्री,मंत्री और हजारों कार्यकर्ताओं की ड्यूटी लगाई गई थी। जाहिर है इनमें कई सैंकड़ा कार्यकर्ता छत्तीसगढ़ से भी थे। लेकिन छत्तीसगढ़ के जिन नामों को लेकर बेहद गंभीरता से चर्चा हो रही है, उनमें बीजेपी संगठन प्रभारी पवन साय,सौरभ सिंह और विजय शर्मा शामिल हैं। खबरें हैं कि,नितिन नबीन की टीम में इन नामों को अहम दायित्व मिल रहा है।

## बोले पवन साय- जनमन की जीत

बीजेपी के छत्तीसगढ़ संगठन मंत्री पवन साय उन कार्यकर्ताओं में हैं जो कि करीब आठ महीने पहले से पश्चिम बंगाल भेजे गए थे। साठ से अधिक विधानसभा सीटों की जवाबदेही पवन साय को दी गई थी। इस जीत ने स्वाभाविक रुप से पवन साय को उत्साहित किया है। पवन साय ने द हिट से कहा –यह कार्यकर्ता की जीत है,यह जन–मन की जीत है। सत्ता विरोधी लहर के साथ साथ तुष्टिकरण और तंत्र पर हावी टीएमसी का कैडर जिस तरह से भ्रष्टाचार कर रहा था, जो आंतक था यह वोट यह जनादेश उसके खिलाफ आया है।

## सौरभ बोले – जय भाजपा

नतीजों के आने का क्रम जारी है और सौरभ सिंह कलकत्ता में मौजूद हैं। सौरभ सिंह का मुख्यालय कलकत्ता रखा गया था और वे कलकत्ता समेत 52 से अधिक सीटों पर सक्रिय थे। सौरभ सिंह ने द हिट से कहा –बीजेपी जिस दिन चुनाव के नतीजे आते हैं,ठीक उस दिन से अगले चुनाव की तैयारी में लग जाती है। राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के नेतृत्व और निर्देश कारगर साबित हुए हैं।आखिरी पंद्रह दिन लगातार मोदी जी और शाहजी लगातार दिखे, लेकिन सच ये भी है कि,वे सतत निरंतर मार्गदर्शन दे रहे थे। बंगाल की जनता उन जगहों पर विकास देख रही थी जहां बीजेपी की सरकार है। हमने जनता के बीच अन्य मुद्दों के साथ विकास को सबसे अहम मुद्दा बनाया।

## बोले अनुराग – तुष्टिकरण की करारी हार

छत्तीसगढ़ हाउसिंग बोर्ड के अध्यक्ष अनुराग सिंहदेव भी पश्चिम बंगाल में कार्यकर्ताओं के बीच मौजूद हैं। उनके हिस्से भी संवेदनशील छः सीटों की जवाबदेही थी। अनुराग ने द हिट से कहा–यह जनमत तुष्टिकरण के खिलाफ है। यह उस राष्ट्रवाद को समर्थन है जहां विकास के साथ हर नागरिक समान है।

## विजय शर्मा बोले – जनता का निर्णय और कार्यकर्ताओं की मेहनत

प्रदेश के गृहमंत्री विजय शर्मा जिन्हें उनके अंदाज मिजाज और शैली की वजह से उनके समर्थक हिंदू ह्रदय सम्राट कहते हैं।उनके राष्ट्रीय टीम में जाने की चर्चा बंगाल के चुनाव नतीजों के बाद विश्वसनीय रुप से सामने आई है। लेकिन यह सुगबुगाहट केवल बंगाल चुनाव से नहीं है बल्कि जैसे नितिन नबीन राष्ट्रीय अध्यक्ष बने, विजय शर्मा को लेकर चर्चा शुरु हो गई। इस चर्चा में गंभीरता तब आ गई जबकि नितिन नबीन ने बिहार के राज्यसभा चुनाव की कमान विजय शर्मा को दे दी। विजय शर्मा वहां पर शत प्रतिशत सफल रहे। बीजेपी गठबंधन ने जितनी सीट जीतनी चाहिए थी उससे एक सीट ज्यादा जीत ली। इसके बाद अब जबकि पश्चिम बंगाल का चुनाव आया, और अमित शाह को लेकर यह तय हुआ कि शाह लगातार पंद्रह दिन पश्चिम बंगाल कैंप करेंगे, तो विजय शर्मा की स्पेशल ड्यूटी लगाई गई और वे इस अभियान में भी सफल रहे।.

गौरतलब है कि विजय शर्मा के साथ साथ बस्तर के लोकप्रिय और प्रभावी आदिवासी चेहरे महेश गागड़ा भी विजय शर्मा के साथ सक्रिय थे। पश्चिम बंगाल की जीत पर दुर्गापुर से गृहमंत्री विजय शर्मा ने द हिट से कहा –यह जनता का निर्णय है और कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत परिश्रम का परिणाम है।

## नतीजों के पीछे यह भी अहम कारण

पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के लिए सबसे बड़ा झटका बना निर्वाचन आयोग का वह अभियान जिसकी वजह से 11.8 प्रतिशत मतदाता मत देने से वंचित हो गए।91 लाख नाम में से ज्यादातर उन जगहों से कटे जो टीएमसी के गढ़ माने जाते थे। जैसे कि मुर्शिदाबाद,मालदा और उत्तर 24 परगना। यूँ मतदाताओं के नाम आयोग ने SIR बताकर काटे पर इसे टीएमसी ने बीजेपी के इशारे पर किया गया काम बताया था।बेहद गौरतलब बीजेपी का इस मसले पर आया बयान था।

बीजेपी ने इसे पूरी दीदादिलेरी से कहा –यह अवैध घुसपैठिए और ब्लैक वोट्स के खिलाफ शुद्धिकरण अभियान है। यह ध्यान रखना होगा कि बीजेपी चाहती तो इसे केवल प्रशासनिक कार्यवाही निरुपित कर मौन साध सकती थी,लेकिन बीजेपी ने ऐसा नहीं किया।बीजेपी ने ध्रुवीकरण किया और इस ध्रुवीकरण में वह सफल रही। बीजेपी ने महिला मतदाताओं के लिए हर महीने 3 हजार रुपए देने का ऐलान किया,इस वायदे ने तब और असर दिखाया जबकि छत्तीसगढ़ की तर्ज पर पश्चिम बंगाल में भी बीजेपी कार्यकर्ताओं ने फॉर्म भराने शुरु कर दिए। विदित हो कि,ममता बैनर्जी ने लक्ष्मीर भंडार योजना चलाई थी जिसमें महिलाओं को 1 हजार रुपये दिए जाते थे जिसे अब डेढ़ हजार किए जाने का वायदा किया गया था। इन सबके साथ पंद्रह साल की सत्ता विरोधी लहर भी अपना असर दिखाती रही। आखिरी क्षणों में जिस तरह से ईडी की सक्रियता बढ़ाई गई उसने तृणमूल कांग्रेस की रणनीति और गति दोनों की लय बिगाड़ दी।

---

**त्वरित टिप्पणी**

## 'बंगाल में कमल : एक विचार, एक संघर्ष और एक ऐतिहासिक पड़ाव'

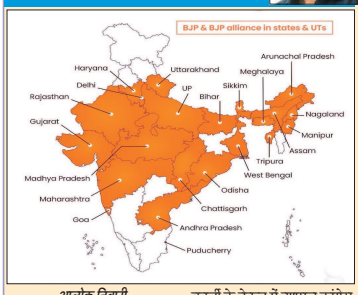


*आलोक तिवारी*

पश्चिम बंगाल की राजनीतिक धरती ने एक बार फिर इतिहास को करवट लेते देखा है। यह सिर्फ सत्ता परिवर्तन की कहानी नहीं है, बल्कि दशकों से चल रही वैचारिक लड़ाई के एक निर्णायक पड़ाव की दास्तान है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से शुरू हुआ विचार, जनसंघ के जरिए राजनीति में उतरा और अंततः भारतीय जनता पार्टी के रूप में अपनी पूर्णता की ओर बढ़ा—बंगाल की इस जीत ने उस लंबे संघर्ष को नई पहचान दी है।

इस कहानी की जड़ें गहरी हैं। जब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपने वैचारिक विस्तार के लिए राजनीतिक मंच की आवश्यकता महसूस की, तब भारतीय जनसंघ का गठन हुआ। श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय जैसे विचारकों के नेतृत्व में यह केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि राष्ट्रवाद की वैचारिक धारा का प्रतिनिधि बनकर उभरा।

1977 का दौर भारतीय राजनीति का निर्णायक मोड़ था। आपातकाल के बाद कांग्रेस के खिलाफ व्यापक असंतोष ने विपक्ष को एकजुट किया। जनता पार्टी के रूप में विभिन्न विचारधाराओं का संगम हुआ और मोरारजी देसाई के नेतृत्व में पहली गैर–कांग्रेसी सरकार बनी। लेकिन यह प्रयोग ज्यादा दिन नहीं चला—विचारों के टकराव ने सरकार को गिरा दिया।

यहीं से एक नए अध्याय की शुरुआत हुई। 6 अप्रैल 1980 को भारतीय जनता पार्टी का जन्म हुआ, जिसमें अटल बिहारी वाजपेयी और लाल कृष्ण आडवाणी जैसे नेताओं ने नई दिशा दी। यह केवल पार्टी का गठन नहीं था, बल्कि वैचारिक पुनर्जन्म था।

अब बात बंगाल की। बंगाल, जो कभी श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जन्मभूमि रहा, लंबे समय तक भाजपा के लिए चुनौती बना रहा। पहले कांग्रेस, फिर वामपंथी दलों का तीन दशक से अधिक का शासन, और उसके बाद ममता बनर्जी के नेतृत्व में तृणमूल कांग्रेस का दबदबा—यहां कमल खिलाना आसान नहीं था।

लेकिन राजनीति में असंभव कुछ भी नहीं होता। लगातार संघर्ष, संगठन की मजबूती और बूथ स्तर तक की रणनीति ने वह कर दिखाया जो दशकों तक असंभव माना जाता रहा। भाजपा की यह जीत केवल चुनावी आंकड़ा नहीं, बल्कि एक विचारधारा की स्वीकार्यता का संकेत है।

इस विजय का श्रेय कई स्तरों पर जाता है। नरेंद्र मोदी की आक्रामक चुनावी रणनीति, अमित शाह की संगठनात्मक पकड़ और पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व की सामूहिक मेहनत ने बंगाल में माहौल बदला। साथ ही, पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जिस समर्पण और जोखिम के साथ काम किया, वह इस जीत की असली नींव है।

हालांकि, यह जीत जितनी बड़ी है, चुनौतियां भी उतनी ही जटिल हैं। बंगाल की सामाजिक संरचना, सांस्कृतिक विविधता और राजनीतिक हिंसा का इतिहास किसी भी नई सरकार के लिए कठिन परीक्षा है। कानून–व्यवस्था, सामाजिक संतुलन और विकास की गति—इन तीनों मोर्चों पर भाजपा को खुद को साबित करना होगा।

सबसे बड़ी चुनौती यह होगी कि क्या भाजपा बंगाल में केवल सत्ता परिवर्तन तक सीमित रहती है या वह शासन के जरिए लोगों के विश्वास को स्थायी समर्थन में बदल पाती है। क्योंकि इतिहास गवाह है—बंगाल विचारों को जल्दी स्वीकार करता है, लेकिन उतनी ही तेजी से नकार भी देता है।

अंततः, यह जीत केवल भाजपा की नहीं, बल्कि उस वैचारिक यात्रा की है जो दशकों पहले शुरू हुई थी। श्यामा प्रसाद मुखर्जी का सपना, लाखों कार्यकर्ताओं का संघर्ष और एक संगठन की दीर्घकालिक रणनीति—इन सबका संगम आज बंगाल में दिखाई दे रहा है। अब असली परीक्षा शुरू होती है—सत्ता संभालने की नहीं, बल्कि विश्वास बनाए रखने की।

---

# भ्रष्टाचार के खिलाफ भाजपा का जंगी प्रदर्शन, निगम मुख्यालय का घेराव

## महापौर और आयुक्त के खिलाफ भाजपाईयों ने उठाई आवाज

*नई दृष्टिबिंदु / भिलाई*

भारतीय जनता पार्टी जिला भिलाई ने नगर निगम में कथित भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के खिलाफ सोमवार को निगम मुख्यालय के सामने जंगी धरना–प्रदर्शन कर घेराव किया। जिलाध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन के नेतृत्व में हजारों कार्यकर्ताओं ने शहर सरकार पर गंभीर आरोप लगाए।

### ये रहे प्रमुख आरोप

भाजपा ने संपत्ति कर में मनमाने पेनल चार्ज, 18% तक अधिभार वसूली, भागीरथी नल जल योजना की दर 60 से बढ़ाकर 200 करने का आरोप लगाया। साथ ही सड़कों के डामरीकरण में 42 करोड़, पेवर ब्लॉक कार्यों में 42 करोड़ की अनियमितता का दावा किया। वृक्षारोपण में करोड़ों खर्च के बाद भी नतीजे न मिलने, 1248 भूखंडों की नीलामी में करीबियों को लाभ पहुंचाने, सफाई टेंडर 23 करोड़ से बढ़ाकर 65 करोड़ करने, खाद घोटाला, तारामंडल घोटाला और उद्यान संधारण में गड़बड़ी के आरोप भी लगाए।

### नेताओं ने क्या कहा

संभाग प्रभारी जगन्नाथ पाणिग्रही ने कहा कि निगम में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हो रहा है और जनता के पैसे का दुरुपयोग किया जा रहा है। जिला प्रभारी रामजी भारती बोले कि महापौर का भेदभावपूर्ण रवैया बर्दाश्त नहीं होगा। विधायक रिकेश सेन ने कार्यकर्ताओं से चुनाव के लिए तैयार रहने को कहा और भ्रष्टाचारियों पर कार्रवाई की बात कही। इंद्रजीत सिंह खालसा ने कहा कि जनता शहर सरकार से त्रस्त है और परिवर्तन तय है। जिलाध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन ने निगम संपत्तियों की नीलामी और तालाब भूमि विक्रय में अनियमितता के आरोप लगाए। नेता प्रतिपक्ष भोजराज सिन्हा ने नेहरू नगर तारामंडल, उद्यान संधारण और कर वृद्धि पर सवाल उठाए।

### चेतावनी और जश्न

भाजपा ने चेतावनी दी कि निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन उग्र होगा। इसी दौरान भाजपा ने बंगाल, असम और पांडिचेरी विधानसभा चुनाव में जीत का जश्न भी मनाया। ढोल–बाजे, आतिशबाजी और मिष्ठान वितरण किया गया।

प्रदर्शन में महेश वर्मा, श्याम सुंदर राव, पीयूष मिश्रा, वीणा चंद्राकर, संतोष मौर्या, विनोद सिंह, स्मृति दोड़के, चंदेश्वरी बांधे, रश्मि सिंह सहित प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, जिला पदाधिकारी, सभी मंडल अध्यक्ष, मोर्चा–प्रकोष्ठ पदाधिकारी, पार्षद और हजारों कार्यकर्ता शामिल हुए।

---

# आईपीएल सट्टा चलाते पकड़ाया रायपुर डकैती का फरार आरोपी

*नई दृष्टिबिंदु / रायगढ़*

"ऑपरेशन अंकुश" के तहत छाल पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा खिलाते हुए पुलिस ने रायपुर डकैती के फरार आरोपी चंद्रभूषण डनसेना उर्फ चिन्टु को गिरफ्तार किया है। सट्टा खेलने वाले युवक रूपधर पटेल को भी पकड़ा गया। दोनों के पास से 82,000 रुपये से अधिक की संपत्ति जब्त हुई।

### कुरकुट पुल के पास चल रहा था बॉल टू बॉल सट्टा

3 मई को क्छछ में पंजाब किंग्स और गुजरात टाइटंस के मैच के दौरान कुरकुट नदी पुल के पास ऑनलाइन सट्टा खिलाने की सूचना मिली। एसएसपी शशि मोहन सिंह के निर्देशन में थाना प्रभारी नासिर खान की टीम ने घेराबंदी कर रेड की। मौके पर बरभौना निवासी चंद्रभूषण डनसेना मिला। उसके मोबाइल से क्रिकेट सट्टे के डिजिटल साक्ष्य, ऑनलाइन लेन–देन और हार–जीत के रिकॉर्ड मिले।

### चैट से खुला राज

जांच में सामने आया कि रूपधर पटेल ने आरोपी को 1500 फोन–पे से ट्रांसफर कर दांव लगाया था। उसके मोबाइल में ट्रांजेक्शन और व्हाट्सएप चैट से सट्टे के सबूत मिले। पूछताछ में रूपधर ने सट्टा खेलना कबूल किया।

### दुष्कर्म–डकैती में भी था आरोपी

पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि चंद्रभूषण कोई साधारण सटोरिया नहीं है। मार्च 2023 में छाल में उस पर दुष्कर्म का केस दर्ज हुआ था। जमानत पर छूटने के बाद उसने रायपुर पंडरी में ट्रेडिंग ऑफिस में साथियों संग डकैती की थी। तब से फरार था। फरारी के दौरान वह ओडिशा, रायपुर, रायगढ़ और बरभौना में छिपकर ऑनलाइन बेटिंग नेटवर्क चला रहा था।

पुलिस ने चंद्रभूषण से ओप्पो रेनो 15 प्रो 5जी मोबाइल कीमत 68,000 रुपये और नगदी जब्त की। रूपधर से रियलमी सी–25 एस मोबाइल कीमत 12,000 रुपये और नगदी मिली। कुल जब्ती 82,000 रुपये से अधिक की है। दोनों के खिलाफ छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धारा 6, 7 के तहत केस दर्ज कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

---

# सेक्टर–7 की बेटी ईशा की पढ़ाई का जिम्मा उठाएगी सर्व समाज कल्याण समिति

*नई दृष्टिबिंदु / भिलाई*

भिलाई सेक्टर–7 की छात्रा ईशा साहू की पढ़ाई की पूरी जिम्मेदारी अब सर्व समाज कल्याण समिति भिलाई उठाएगी। समिति के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह छोटू ने इसकी घोषणा की।

### ड्रेस से कॉपी–किताब तक की मदद

सर्वे के बाद समिति ने निर्णय लिया कि ईशा की आगे की संपूर्ण शिक्षा का खर्च समिति उठाएगी। इसमें स्कूल की पढ़ाई, ड्रेस, कॉपी–किताबें और शिक्षा से जुड़ी अन्य जरूरी सामग्री शामिल है। छोटू ने कहा कि समिति का प्रयास हर जरूरतमंद बच्चे को शिक्षा से जोड़कर उनके उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव देना है।

गौरतलब है कि सर्व समाज कल्याण समिति लगातार प्रतिभावान और जरुरतमंद बच्चों को मदद करने का बीड़ा उठाया है। समिति के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह छोटू ने बकायदा सर्वे टीम तैयार की है। जैसे ही छोटू तक जानकारी पहुंचती है तो सर्वे टीम वास्तविक स्थिति का पता कर जरूरतमंद बच्चों तक हर संभव मदद पहुंचाती है।

शिक्षा के अलावा स्वरोजगार, समाज कल्याण सहित अन्य विषयों पर भी सर्व समाज कल्याण समिति लगातार कार्यरत हैं। शहर में होने वाले हर सामाजिक व धार्मिक कार्यों में भी सर्व समाज कल्याण समिति का योगदान होता है। ईशा साहू को सोमवार को भिलाई टाइम्स के फाउंडर यशवंत साहू, सर्व समाज कल्याण समिति के कार्यालय लेकर गए। ईशा का समिति की ओर से अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह और मलकीत सिंह ने अभिनंदन किया और ईशा का हौसला बढ़ाया।

### भिलाई टाइम्स की खबर के बाद लिया संज्ञान

इंद्रजीत सिंह छोटू ने बताया कि भिलाई टाइम्स में खबर दिखाए जाने से ईशा की स्थिति की जानकारी मिली। इसके बाद समिति की टीम ने तुरंत संज्ञान लिया और सर्वे कर परिवार से मुलाकात की।

# खेल हमारे दैनिक जीवन का बने अभिन्न अंग - प्रसाद महानकर

*नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग*

खेल और खिलाड़ियों के लिए काम करने वाले संगठन क्रीड़ा भारती के राष्ट्रीय संगठन मंत्री प्रसाद महानकर के दुर्ग प्रवास के दौरान दुर्ग जिला ईकाई के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के पं. रत्नाकर झा सभागार में हुई। इस बैठक में क्रीड़ा भारती के प्रदेश मंत्री और राष्ट्रीय युवा आयाम प्रमुख सुमित उपाध्याय भी विशेष रुप से शामिल हुए।

राष्ट्रीय संगठन मंत्री प्रसाद महानकर ने कहा कि खेल भारतीय समाज का एक महत्वपूर्ण अंग है। खेलों के माध्यम से बालक-बालिकाओं में संस्कार, अनुशासन और टीम वर्क की भावना जागृत करके श्रेष्ठ नागरिक तैयार करने की दिशा में सार्थक कार्य को गति प्रदान करने में सबका सक्रिय योगदान आवश्यक है। खेल खिलाना और खिलाड़ी तैयार करना केवल सरकार का काम नहीं है क्योंकि भारतीय परिवेश में खेलों पर समाज का ही प्रथम अधिकार है, समाज ही खेलों का प्रथम संरक्षक भी है। गांवों में अभाव के बीच भी उत्कृष्ट खिलाड़ी तैयार होते रहे हैं। हर घर में खेल के लिए वातावरण होना चाहिए। खेल केवल मेडल और रिकार्ड के लिए नही बल्कि शरीर व मन को स्वस्थ रखने का ध्येय के साथ हो।

प्रदेश मंत्री और राष्ट्रीय युवा आयाम प्रमुख सुमित उपाध्याय ने कहा कि आगामी वर्ष 2036 के ओलंपिक में कबड्डी के खेल को शामिल कराना क्रीड़ा भारती का संकल्प है। इसके लिए कबड्डी के प्रति छात्र-छात्राओं, बच्चों, युवाओं, महिलाओं में भाव जागृत कराने की आवश्यकता है। उन्होने कहा कि अलग अलग स्तर जैसे विद्यालयों, कालेजों, हास्टलों, युवा क्लबों, महिला स्वसहायता समूहों के स्तर पर आयु वर्ग के साथ महिला-पुरुष की टीमों के बीच कबड्डी की छोटी छोटी प्रतियोगिताओं के माध्यम से जनमानस में कबड्डी के प्रति रुचि बढ़ाना आवश्यक है। कबड्डी का खेल हमारी जड़ों से जुड़ा खेल है। क्रीड़ा भारती के प्लेटफार्म पर आनलाइन पंजीयन के माध्यम से टीमों को जोड़कर ऐसे आयोजन देश भर में शुरु हुए हैं।

बैठक में प्रदेश के कबड्डी आयोजन प्रमुख डा. सुनील साहू ने कबड्डी के आयोजन को लेकर किये जा रहे कार्यों पर जानकारी दी और आगामी कायर्योजना से अवगत कराया। दुर्ग विभाग प्रमुख विनोद नायर ने क्रीड़ा भारती के कार्यों से प्रभावित खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों को क्रीड़ा भारती का सदस्य बनाये जाने पर अपने विचार रखे।

बैठक का संचालन प्रान्त दिव्यांग प्रमुख राजेन्द्र कुमार ने किया। बैठक में प्रमुख रुप से महिला आयाम प्रदेश प्रमुख पूनम मिश्रा, जिला उपाध्यक्ष किशन, जिला मंत्री संध्या दुबे, बालक दास डहरे, योग प्रमुख हितेश साहू, मीडिया प्रभारी प्रमोद वाघ, कल्पना स्वामी, युवा प्रमुख महावीर, कायकांरिणी सदस्य रमेश दुबे, हिना साहू, नीतेश सिंह, मृदुला शरण, ओम झा सहित खिलाड़ीगण और खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

## खास खबर

### कलेक्टर सिंह ने शहर के विभिन्न विकास कार्यों का किया औचक निरीक्षण, दिए कड़े निर्देश

*नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग*

कलेक्टर अभिजीत सिंह ने 03 मई को नगर के विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण दौरा किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न निर्माण कार्यों एवं व्यवस्थाओं का सूक्ष्म अवलोकन किया और अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण कार्य समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह नगर के पोटियाकला वार्ड क्षेत्र पहुंचे, जहाँ उन्होंने लीजेसी वेस्ट प्रबंधन की धीमी गति पर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि पोटियाकला लीजेसी वेस्ट का कार्य तत्काल पुनः प्रारंभ कर अगले 10 दिनों के भीतर अनिवार्य रूप से पूर्ण किया जाए। इसके साथ ही उन्होंने पोटियाकला एसएलआरएम सेंटर में जमा कबाड़ के निराकरण हेतु ऑनलाइन ऑक्शन की प्रक्रिया शुरू करने और केंद्र के रुके हुए कार्यों को तत्काल गति देने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। इसके बाद कलेक्टर श्री सिंह शहर की यातायात व्यवस्था और अधोसंरचना को सुदृढ़ करने के क्रम में इंदिरा मार्केट मल्टीलेवल पार्किंग स्थल पहुँचे। वहां उन्होंने निर्माण स्थल के आसपास से ठेले एवं गुमटियों को हटाने, पेड़ों की छंटाई करने और भूमि के समतलीकरण (लेवलिंग) का कार्य जल्द पूरा करने को कहा ताकि निर्माण कार्य में कोई बाधा न आए।

निरीक्षण के दौरान जनसुविधाओं पर विशेष ध्यान देते हुए कलेक्टर श्री सिंह ने सरस्वती नगर एएचपी का भी भ्रमण किया। यहाँ उन्होंने नालियों की सफाई सुनिश्चित करने और निर्माण सामग्री को सड़कों से हटाने के निर्देश दिए। पेयजल व्यवस्था को दुरुस्त करने हेतु उन्होंने बोर से सीधे ओवरहेड टैंक में पानी की सप्लाई सुनिश्चित करने के लिए तकनीकी निर्देश दिए। उन्होंने उरला एसटीपी के संबंध में उन्होंने सीमांकन प्रतिवेदन तत्काल मंगवाने के निर्देश दिए ताकि प्रोजेक्ट की स्थिति स्पष्ट हो सके। कलेक्टर श्री सिंह ने अधिकारियों को सचेत किया कि विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और तय समय सीमा के भीतर जनहित के सभी कार्य पूरे होने चाहिए। इस अवसर पर नगर निगम दुर्ग आयुक्त श्री सुमित अग्रवाल एवं अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

### दुर्ग की श्रेष्ठा भारद्वाज बनी छत्तीसगढ़ स्टेट अंडर 7 बालिका शतरंज चैम्पियन

**दुर्ग।** छत्तीसगढ़ प्रदेश शतरंज संघ के तत्वाधान में राजधानी के बलबीर सिंग जुनेजा इनडोर स्टेडियम में स्थित प्रदेश शतरंज संघ के कार्यालय में 2 एवं 3 मई को आयोजित छत्तीसगढ़ स्टेट अंडर 7 ओपन एवं बालिका वर्ग शतरंज चैंपियनशिप में दुर्ग जिले की खिलाड़ी श्रेष्ठा भारद्वाज ने 6 में से 5 अंक प्राप्त कर बालिका वर्ग में छत्तीसगढ़ राज्य विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया।

दुर्ग जिले के मेधांश सोरी ने अंडर 7 ओपन वर्ग में 6 में से 5 अंक प्राप्त कर उपविजेता बने। ये दोनों खिलाड़ी राष्ट्रीय शतरंज स्पर्धा के चयनित हुए हैं। दोनों खिलाड़ी राष्ट्रीय स्पर्धा में छत्तीसगढ़ छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करेंगे। श्रेष्ठा भारद्वाज डी पी एस रिसाली में क्लास 1 की छात्रा है। उनके पिता संतोष कुमार भारद्वाज डी पी एस रिसाली में सिनियर सी जी टी के पद पर कार्यरत हैं। उनकी माता का नाम बरखा भारद्वाज है। मेधांश सोरी भी डी पी एस रिसाली अध्ययनरत है। उनकी माता का नाम सुशीला सोरी एवं पिता सुमित कुमार सोरी है।

स्पर्धा में कुल 66 प्रतिभागी शामिल थे। स्टेट अंडर 7 के ओपन वर्ग में राज्य के कुल 47 खिलाड़ी एवं अंडर 7 बालिका वर्ग में राज्य के कुल 19 खिलाड़ी शामिल थे। स्पर्धा 6 चक्रों में खेली गई। श्रेष्ठा एवं मेधांस को जिला शतरंज संघ दुर्ग के मुख्य संरक्षक कैलाश जैन बरमेचा अध्यक्ष ईश्वर सिंह राजपूत सचिव तुलसी सोनी उपाध्यक्ष दिनेश जैन,ललित वर्मा,दिनेश जैन, मोरध्वज चंद्राकर,दिनेश नालोडे,अजय राय के अलावा अंतर्राष्ट्रीय आर्बिटर अलंकार भिवगड़े, रॉकी देवांगन, फीडे आर्बिटर अनिल शर्मा, संजय खंडेलवाल, हरीश सोनी, दिव्यांशु उपाध्याय,गुलाब चौहान सहित अन्य लोगों ने भी श्रेष्ठा भारद्वाज एवं मेघांश को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

# सरकार की मंशा जनहित के काम को प्राथमिकता देना-दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चन्द्राकर

## कुथरेल जनसमस्या निवारण शिविर में 176 आवेदनों का निराकरण

*नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग*

राज्य शासन के निर्देशानुसार शासकीय काम-काज में पारदर्शिता तथा योजनाओं और कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के अनुक्रम में सुशासन तिहार-2026 के अंतर्गत जिले के ग्रामीण अंचलों में जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज जनपद पंचायत दुर्ग अंतर्गत ग्राम कुथरेल में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में विभिन्न विभागों से संबंधित 370 आवेदन प्राप्त हुए। मौके पर विभागीय अधिकारियों द्वारा 176 आवेदनों का निराकरण किया गया। शेष लंबित 194 आवेदनों के निराकरण के लिए समय-सीमा निर्धारित की गई है।

जिला प्रशासन द्वारा आयोजित इस शिविर में प्रदेश के पिछड़ा एवं अन्य वर्ग विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष तथा दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चन्द्राकर भी सम्मिलित हुए। उन्?होंने शिविर का शुभारंभ दीप प्रज्जवलित कर किया और विभिन्न विभागीय स्टॉलों में अधिकारियों से रू-ब-रू चर्चा कर प्राप्त आवेदनों की जानकारी ली। साथ ही निराकरण हेतु शीघ्र आवश्यक पहल करने के निर्देश दिये। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने भी शिविर में विभागीय स्टॉल का निरीक्षण कर अधिकारियों से आवेदन निराकरण प्रक्रिया की जानकारी ली और शत-प्रतिशत आवेदन आज ही निराकृत करने के निर्देश दिये।

विधायक श्री चन्द्राकर ने अपने संक्षिप्त उद्बोधन में सुशासन तिहार-2026 आयोजन के संबंध में प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की मंशा जनहित के कार्यों को प्राथमिकता देना है। विभागीय अधिकारी जनहितैषी कार्यों को प्राथमिकता के साथ निपटाये। विधायक श्री चन्द्राकर ने कहा कि जनता को अपनी काम के लिए बार-बार कार्यालयों का चक्कर न काटना पड़े। उन्होंने आम जनता से अपील की है कि यदि किसी विभाग में काम नहीं हो पा रहा है तो वे सीधे विधायक को शिकायत कर सकते हैं। उन्होंने क्षेत्र की जनता को भरोसा दिलाया कि समस्याओं का हरसंभव निराकरण किया जाएगा।

शिविर में विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया। इसके तहत प्रधानमंत्री आवास निर्माण पूर्ण करने पर हितग्राही क्रमशः श्रीमती आशा बाई साहू, कल्याण सिंह, श्रीमती रामेश्वरी चन्द्राकर, शिवकुमार और सुरेश कुमार को नवनिर्मित पी.एम. आवास की चॉबी सौंपी गई। इसी प्रकार मनरेगा अंतर्गत 100 दिवस रोजगार पूर्ण करने पर श्रीमती देवकी निर्मलकर, श्रीमती सरिता विश्वकर्मा, श्रीमती नीता विश्वकर्मा और श्रीमती शीतला साहू को सम्मान पत्रक प्रदान किया गया। शिविर में दो हितग्राहियों का वृद्धावस्था पेंशन भी स्वीकृत की गई। ग्राम तिरगा के आवेदक इशु देशमुख को लर्निंग लाइसेंस प्रदान किया गया।

शिविर में अधिकारियों द्वारा विभागीय योजनाओं की जानकारी आम जनता को दी गई। इस अवसर पर जिला पंचायत के सीईओ बजरंग दुबे, एसडीएम हरवंश सिंह मिरी, अतिरिक्त तहसीलदार श्रीमती क्षमा यदु, जनपद पंचायत के सीईओ रूपेश पाण्डेय सहित समस्त विभाग के अधिकारी/कमर्चारी तथा स्थानीय जनप्रतिनिधि व बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

# शिविर में योग, संस्कार और जीवन कौशल सीखेंगे बच्चे

## पतंजलि परिवार की ओर से कोहका में महीने भर का ग्रीष्मकालीन शिविर शुरू

*नई दृष्टिबिंदु / भिलाई*

पतंजलि योग समिति, जिला दुर्ग की ओर से बाल योग गुरुकुल ग्रीष्मकालीन शिविर 2026 की शुरुआत 3 मई रविवार को पतंजलि गौशाला परिसर, कोहका, भिलाई में हुई। 27 मई तक चलने वाले इस शिविर में कक्षा छठवीं से 12वीं तक के बालक-बालिकाओं को योग, भारतीय संस्कृति, नैतिक शिक्षा एवं जीवन कौशल का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

प्रतिदिन सुबह 6 बजे से 9 बजे तक इस शिविर में बच्चों के लिए योग, प्राणायाम, सूर्य नमस्कार एवं ध्यान, गीता एवं रामायण के श्लोक, चौपाइयों का अध्ययन और जीवन में प्रयोग,जीवन कौशल (अनुशासन, समय प्रबंधन, नेतृत्व क्षमता), संस्कार आधारित खेल एवं योग प्रतियोगिताएं, चित्रकला, भजन, नाटक, वक्तृत्व एवं रचनात्मक गतिविधियाँ, सेवा कार्य, स्वच्छता एवं वृक्षारोपण जैसी गतिविधियां यहां होंगी। इसके साथ ही प्रत्येक सप्ताह विशेष थीम के माध्यम से बच्चों में अनुशासन, संस्कार, आत्मविश्वास एवं आध्यात्मिकता का विकास किया जाएगा। जिले के सभी जोनों का सक्रिय सहयोग रहेगा।

इस शिविर के सफल संचालन में स्वेच्छा से सहयोग देने वाले सभी कार्यकर्ताओं का विशेष योगदान है। उद्घाटन समारोह में जयंत भारती ने भजनों के माध्यम से जीवन दर्शन का मार्गदर्शन दिया। श्री कुशवाहा एवं श्री चौरसिया ने खेल-खेल में ज्ञान प्राप्त करने के आसान तरीके बच्चों को बताए। शत्रुघ्न ने गीता के श्लोक का अर्थ सहित जीवन दर्शन प्रदान किया। श्रीनिवास ने इकीगाई (जापानी तकनीक) के माध्यम से जीवन के उद्देश्य एवं भोजन संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी। शिविर में राजेश तिवारी, मोहिनी, तिजऊ राम साहू एवं उद्धव राम विभिन्न व्यवस्थाएं देख रहे हैं। आयोजकों ने सभी से आग्रह किया है कि अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय प्रयास कर अधिक से अधिक बच्चों का पंजीयन सुनिश्चित करें।

# विधायक देवेन्द्र यादव ने वार्ड 48 में किया विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन

*नई दृष्टिबिंदु / भिलाई*

भिलाई नगर के वार्ड 48 में विकास कार्यों को नई गति मिली है। क्षेत्र के विधायक देवेन्द्र यादव ने विभिन्न महत्वपूर्ण विकास कार्यों का विधिवत मंत्रोच्चार के साथ भूमि पूजन कर क्षेत्रवासियों को बड़ी सौगात दी।

इस अवसर पर उन्होंने बताया कि पंप हाउस क्षेत्र में चेन लाइटिंग की व्यवस्था की जाएगी, जिससे इलाके की सुंदरता के साथ-साथ सुरक्षा भी बढ़ेगी। इसके अलावा अन्य आवश्यक बुनियादी कार्य भी जल्द शुरू किए जाएंगे, जिनसे नागरिकों को सीधा लाभ मिलेगा। जनता की मांग को प्राथमिकता देते हुए मंदिर प्रांगण के सौंदर्यकरण का भी निर्णय लिया गया है। इससे धार्मिक स्थल और अधिक आकर्षक व सुविधाजनक बनेगा, जिससे श्रद्धालुओं को बेहतर वातावरण मिल सकेगा। कार्यक्रम में स्थानीय नागरिकों ने विधायक का आभार व्यक्त करते हुए इन विकास कार्यों को क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण बताया। वार्ड 48 में इन योजनाओं के लागू होने से निश्चित ही क्षेत्र की तस्वीर बदलने की उम्मीद जताई जा रही है।

वार्ड पार्षद शुभम झा, ब्लाक अध्यक्ष गुड्डू खान, जिला उपाध्यक्ष डी. कामराजु, बादल डे, गुनंदन -ा, मोहम्मद फिरोज गौस, अयूब मंसूरी, अयूब खान, प्रशांत सिंह, विक्रम सिंह चीमा, ओंकार लहरे, पवन कोसले जी, नवीन अग्रवाल जी, मैंनुद्दीन खान, ज्ञानेश्वर शर्मा, एम. लोकनाथ राव आदि वार्ड के वरिष्ठ जन, वरिष्ठ कॉंग्रेस जन बड़ी मात्रा में महिलाएं एवं आमजन उपस्थित थे

# स्वरोजगार, वंचितों की मदद के साथ अब कौशल विकास पर जोर देगी बैतुलमाल

*नई दृष्टिबिंदु / भिलाई*

विगत चार दशक से शहर वंचित समुदाय के सशक्तिकरण के लिए सक्रिय बैतुलमाल वेलफेयर सोसाइटी भिलाई की युवाओं के कौशल विकास पर भी प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरु करने की तैयारी है। बीती शाम जामा मस्जिद सेक्टर-6 के सामुदायिक भवन हॉल में ह्यबैतुलमालह्नके सालाना जलसे और ईद मिलन में जरूरतमंदों को स्वरोजगार के लिए हाथ ठेला और सिलाई मशीन देने के साथ ही पदाधिकारियों ने भविष्य की रूपरेखा भी बताई। इस दौरान अतिथि वक्ताओं ने रोजगार उन्मुखी शिविर लगाने और महिलाओं के लिए विशेष पाठ्यक्रम शुरू करने सुझाव भी दिया। आयोजन में जरूरतमंद प्रशिक्षित महिलाओं को 15 सिलाई मशीन एवं फुटकर व्यवसाय करने हेतु 10 जरूरतमंदों को हाथ ठेला वितरित किया गया।

जलसे की शुरुआत जामा मस्जिद सेक्टर-6 के इमाम इकबाल अंजुम हैदर ने कुरान की तिलावत से की। इस मौके पर मुख्य अतिथि डिप्टी कमांडेंट डॉक्टर इरफान उर रहीम खान ने ह्यबैतुलमालह्न कमेटी के समाज सेवा के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना की एवं रोजगार उन्मुखी शिविर लगाने व महिलाओं के लिए विशेष पाठ्यक्रम शुरू करने सलाह दी।

मुख्य अतिथि पद्मश्री, भारतीय महिला हॉकी टीम की पूर्व कप्तान और वर्तमान में डिप्टी कमांडेंट सबा अंजुम ने बैतुलमाल के कार्यों की तारीफ करते हुए महिलाओं को मेहनत कर मुकाम हासिल करने प्रेरित किया। विशेष अतिथि बीएसपी के पूर्व निदेशक (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉक्टर एस एम इकबाल ने कमेटी की तरफ से टेक्निकल कोर्स जैसी नई पहल को स्वागत योग्य कदम बताया।भिलाई नगर मस्जिद ट्रस्ट के सदर मिर्जा आसिम बेग ने बैतुलमाल के कार्यों का ब्यौरा दिया साथ ही कहा कि पिछले 36 साल से निरंतर कार्यरत होने वाली कमेटी के सदस्यों के साल भर किए जा रहे कार्य बेहद प्रशंसनीय हैं।

जलसे की सदारत कर रहे वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ आर ए सिद्दीकी, विशेष अतिथि डॉक्टर एस जे रिजवी, एम आर के शरीफ रिटायर सीजीएम बीएसपी और अखबारनवीस मुहम्मद जाकिर हुसैन ने भी ह्यबैतुलमालह्नकी तारीफ करते हुए स्वरोजगार पाठ्यक्रमों पर ध्यान देने की जरूरत पर बल दिया।

बैतुलमाल के अध्यक्ष हाजी हमीदुल्लाह सिद्दीकी ने सालाना रिपोर्ट पेश की। उन्होंने बताया कि बैतुलमाल कमेटी लगभग 226 बच्चों की शिक्षा का खर्च दे रही है ,जिसमें स्कूली शिक्षा के साथ कई बच्चों को धार्मिक शिक्षा हेतु मदद दी जाती है। गरीब मैयत के कफन दफन, जरूरतमंदों को राशन किट ,इलाज हेतु दवाई और गरीब बच्चियों की शादी में मदद दी जाती है। उन्होंने बताया कि इस साल एक जरूरतमंद को ऑटो रिक्शा दिलाने मदद की गई है और आगामी वर्ष में भी ई- रिक्शा देने का विचार हैं। उन्होंने कहा कि कमेटी युवाओं के कौशल विकास पर ज्यादा फोकस कर रही है।

आयोजन में बैतुलमाल के वरिष्ठ सदस्य अब्दुल हफीज व अन्य ने अतिथियों का स्वागत मोमेंटो देकर किया। प्रोग्राम डायरेक्टर एम आई खान रहे। वहीं भिलाई नगर मस्जिद ट्रस्ट के साबिक सदर एम आर अंसारी के साथ तमाम मस्जिदों के इमाम मस्जिद कमेटियों, सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी एवं समाज के प्रबुद्धजन के मौजूद थे।

आयोजन को सफल बनाने अब्दुल हफीज,अब्दुल जाकिर खान, हाजी अरमान बेग सचिव, हाजी आबिद अली, अलीम सिद्दीकी उपाध्यक्ष, मोहम्मद इफ्तिखार खान जॉइंट सेक्रेटरी, जाहिद इमरान जॉइंट ट्रेजरार, वरिष्ठ कायकांरिणी में हाजी शाहिद खान,सैयद आतिफ अली,हाजी मुमताज अली, अलीम सिद्दीकी, हाजी मोहम्मद जावेद, अवध अहमद, सैयद हुसैन, फजल हक, मोहम्मद मेराज, शेख मुख्तार, आरिफ खान, शेख अजीज, मोहम्मद गौरी, मोहम्मद शकील, शमशुल हुदा, जुलकर नैन, हाजी इमरान खान, सदर हनफी मस्जिद, हाजी मुमताज अली सदर अशरफी मस्जिद जोन 2, सिद्दीकी हुसैनी मस्जिद, शरीफ, तैयबा मस्जिद, शेर ए खुदा मस्जिद कमेटी से एम आई खान, हाजी एमएच सिद्दीकी, सैयद अनवार अली "अमीन" जोन 2 मदनी मस्जिद, अफसर अली सेक्रेटरी कादरी मस्जिद, सैयद अली सदर अशरफी मस्जिद रूआबांधा,अब्दुल मजीद, आइडियल पब्लिक स्कूल और नेशनल स्कूल के प्रतिनिधि, मुर्तुजा हुसैन सेक्रेटरी कब्रिस्तान कमेटी, भिलाई नगर मस्जिद ट्रस्ट से असदुद्दीन हैदर, जमील कुरैशी, नसीम खान,अब्दुल कलाम ,मुहम्मद जमीर, शमशेर खान,के एम एस खान पूर्व डीएसपी, अहद खान, डॉ लियाकत, हुसैन अली अशरफी, इकरा टीचर एसोसिएशन से अजमतुल्लाह खान, बीबी फातिमा जोहरा कमेटी की सदर शाहीन खान,शबनम,नसीम,अलमदद कमेटी की सदर अंजुम अली,भिलाई वेलफेयर कमेटी के यासीन, एडवोकेट अजहर अली, समाजसेवी रजा सिद्दीकी, जरिया वेलफेयर सोसाइटी के सदर एजाज नवाब, नावेद,शकील अहमद, मुहम्मद जफर,तारिक शकील,आसिफ कादरी,मुस्लिम इंतजामिया से मुहम्मद सईद,यूवा दल से जमीर मुहम्मद, अनवर, तौकीर, साहिल बाबू और फैजान हसन ने सक्रिय भागीदारी निभाई। मंच संचालन अब्दुल जाकिर खान ने किया धन्यवाद ज्ञापन हाजी अरमान बेग सेक्रेटरी ने दिया।

# सुशासन तिहार : जनसमस्या निवारण शिविर में हुए शामिल मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

सुशासन तिहार के अंतर्गत मुख्यमंत्री विष्णु देव साय राजनांदगांव जिले के मोतीपुर में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने जनकल्याण और सुशासन के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को मजबूत करते हुए महतारी वंदन योजना के तहत 27वीं किस्त के रूप में 68 लाख 52 हजार से अधिक महिलाओं के खातों में 642 करोड़ रुपये से अधिक की राशि का डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरण किया। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं अधिकारीगण उपस्थित थे।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राजनांदगांव एवं आसपास के क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए कई महत्वपूर्ण अधोसंरचनात्मक परियोजनाओं की घोषणा की। इनमें राजनांदगांव-खैरागढ़ राजमार्ग के लिए 200 करोड़ रुपये की लागत से नवीन बाईपास निर्माण, टेड़ेसरा-घुमका-बाकल मार्ग (35 किमी) के चौड़ीकरण हेतु 75 करोड़ रुपयेक्षतथा धनगांव-इंदामरा-बांकल मार्ग के लिए 30 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रमुख हैं। इसके साथ ही शहरी क्षेत्रों में वार्ड क्रमांक 1, 2, 3 और 8 में विकास कार्यों के लिए प्रत्येक वार्ड को 25-25 लाख रुपये की राशि प्रदान की जाएगी। डोंगरगढ़ में माँ बम्लेश्वरी मंदिर के समीप 15 कमरों के सर्किट हाउस, जनपद पंचायत राजनांदगांव के नवीन भवन के लिए 1 करोड़ रुपये, हॉकी प्रशिक्षण हेतु नए खेल मैदान तथा महिला स्व-सहायता समूहों को पुनः रेडी-टू-ईट निर्माण की जिम्मेदारी देने की भी घोषणा की गई।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सुशासन तिहार सरकार की जनता तक सीधी पहुँच की कार्यशैली का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि 1 मई से प्रारंभ हुआ सुशासन तिहार 10 जून तक संचालित होगा, जिसके माध्यम से प्रदेशभर में जनसमस्याओं का त्वरित निराकरण किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आम जनता की समस्याओं का मौके पर ही समाधान सुनिश्चित किया जाए और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही या देरी करने वाले अधिकारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना ही सुशासन तिहार का मूल उद्देश्य है। उन्होंने यह भी बताया कि ई-डिस्ट्रिक्ट प्रणाली के माध्यम से अब 400 से अधिक सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे नागरिकों को घर बैठे ही सुविधाएं मिल रही हैं। साथ ही मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के तहत शीघ्र ही टोल-फ्री नंबर जारी किया जाएगा, जहां प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध निराकरण अनिवार्य होगा। मुख्यमंत्री ने महतारी वंदन योजना के प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस योजना के माध्यम से महिलाएं न केवल अपने परिवार की आर्थिक मजबूती में योगदान दे रही हैं, बल्कि स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता की दिशा में भी आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने पीएम जनमन एवं प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों से संवाद कर योजनाओं के जमीनी क्रियान्वयन की जानकारी भी प्राप्त की।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने अपने संबोधन में मुख्यमंत्री की जनसमर्पित कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि वे प्रदेश के दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंचकर जनता से सीधे संवाद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अत्यधिक तापमान के बावजूद मुख्यमंत्री का यह सतत प्रवास सुशासन के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने राजनांदगांव जिले में चल रहे औद्योगिक विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए बताया कि ग्राम पटेवा में लगभग 345 करोड़ रुपये की लागत से इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर तथा ग्राम बिजेतला में 25 करोड़ रुपये की लागत से स्पेस मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर स्थापित किया जा रहा है, जिससे क्षेत्र में रोजगार और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

इस अवसर पर सांसद संतोष पाण्डेय, महापौर मधुसूदन यादव, अध्यक्ष छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल नीलू शर्मा, अध्यक्ष श्रम कल्याण मंडल योगेश दत्त मिश्रा, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध सिंह, मुख्यमंत्री के विशेष सचिव रजत बंसल सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

**खास खबर**

## चौपाल में मिली राहत, सरलाबाई की समस्या का मुख्यमंत्री ने किया त्वरित समाधान

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

सुशासन तिहार के अंतर्गत ग्राम सरोधी में आयोजित चौपाल में शासन की संवेदनशीलता और त्वरित कार्यवाही का एक भावनात्मक उदाहरण सामने आया। सरोधी की रहने वाली सरलाबाई मरावी ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के समक्ष अपनी समस्या रखी और कुछ ही पलों में उसका समाधान भी मिल गया। सरलाबाई मरावी, पति लछूराम मरावी, एक साधारण कृषक परिवार से हैं। उनके पास लगभग 5 एकड़ कृषि भूमि है और परिवार में उनका एक बेटा है। खेती ही उनके जीवनयापन का मुख्य साधन है।

चौपाल के दौरान सरलाबाई ने बताया कि उन्होंने एक माह पहले किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) के तहत 1.50 लाख रुपए के ऋण के लिए आवेदन किया था, लेकिन अब तक स्वीकृति नहीं मिली थी। मुख्यमंत्री ने जैसे ही यह बात सुनी, उन्होंने मौके पर ही अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए और तुरंत निराकरण सुनिश्चित कराया। अपनी समस्या का त्वरित समाधान होते देख सरलाबाई भावुक हो उठीं। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद नहीं थी कि उनकी बात इतनी जल्दी सुनी जाएगी और समाधान भी मिल जाएगा। उनकी आंखों में संतोष और चेहरे पर राहत साफ झलक रही थी। सरलाबाई ने यह भी बताया कि उन्हें महतारी वंदन योजना के तहत नियमित आर्थिक सहायता मिल रही है, जिससे घरेलू खर्चों में सहारा मिलता है।

उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आज उन्हें महसूस हुआ कि सरकार वास्तव में गांव-गांव तक पहुंचकर लोगों की समस्याएं सुन रही है और उनका समाधान कर रही है। ग्राम सरोधी की यह घटना इस बात का सजीव प्रमाण है कि सुशासन तिहार केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि आम लोगों के जीवन में भरोसा और राहत लेकर आने वाली पहल बन चुका है।

## मुख्यमंत्री साय ने पीएम जनमन के हितग्राही को सौंपी खुशियों की चाबी

**रायपुर।** मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सुशासन तिहार के अंतर्गत जारी राज्यव्यापी दौरे में आज खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के छुईखदान विकासखंड के ग्राम सरोधी में प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत सुभान सिंह मेरावी को उनके नवनिर्मित आवास की चाबी सौंपकर गृह प्रवेश कराया।

सुभान सिंह ने बताया कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि मुख्यमंत्री स्वयं उनके गांव आकर उन्हें यह सौभाग्य देंगे। उनके लिए यह केवल घर नहीं, बल्कि सम्मान और विश्वास का प्रतीक है।बउन्होंने बताया कि उन्हें वन अधिकार पट्टा के तहत 3 एकड़ 2 डिसमिल भूमि मिली है, जिस पर खेती कर वे अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहे हैं। साथ ही उनकी पत्नी को महतारी वंदन योजना के तहत नियमित आर्थिक सहायता भी मिल रही है, जिससे घरेलू जरूरतों में सहयोग मिल रहा है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने ग्रामीणों से संवाद करते हुए कहा कि शासन का लक्ष्य अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे शासन की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

### जमीन पर भोजन, जमीन पर फैसला : पेयजल योजना को जल्द शुरू करने के निर्देश

# मुख्यमंत्री साय को श्रमिकों ने दिया भोजन का न्यौता श्रमिकों के बीच बैठकर खाया बोरे बासी व आमा चटनी

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

सुशासन तिहार के अंतर्गत कबीरधाम जिले के ग्राम लोखान में एक बेहद आत्मीय और संवेदनशील दृश्य देखने को मिला, जब मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय निर्माणाधीन पंचायत भवन के औचक निरीक्षण के दौरान सीधे श्रमिकों के बीच पहुंच गए। निरीक्षण के दौरान उनका यह दौरा केवल कार्यों की समीक्षा तक सीमित नहीं रहा, बल्कि आमजन के साथ उनके सहज जुड़ाव और संवेदनशील नेतृत्व का जीवंत उदाहरण बन गया। मुख्यमंत्री के अचानक पहुंचने से वहां कार्यरत श्रमिकों में उत्साह का माहौल बन गया और सभी ने उनका आत्मीय स्वागत किया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव सायनिरीक्षण के दौरान वहां काम कर रही महिला श्रमिकों ने मुख्यमंत्री को बड़े स्नेह और आग्रह के साथ दोपहर के भोजन के लिए आमंत्रित किया। इस सादगी भरे निमंत्रण को मुख्यमंत्री ने तुरंत स्वीकार किया और मुस्कुराते हुए उनसे पूछा कि वे खाने में क्या लेकर आई हैं। महिलाओं ने बताया कि वे अपने घर से पारंपरिक भोजन—बोरे बासी, पान पुरवा रोटी, चना भाजी, चरोटा भाजी, मुनगा बड़ी और आमा (आम) की चटनी लेकर आई हैं। यह सुनकर मुख्यमंत्री ने उसी सहजता से उनके साथ भोजन करने का निर्णय लिया।

मुख्यमंत्री श्री साय श्रमिकों के बीच जमीन पर बैठ गए और उनके टिफिन से ही भोजन ग्रहण किया। बोरे बासी और आमा चटनी का स्वाद लेते हुए उन्होंने कहा कि यह भोजन उनकी अपनी जीवनशैली और संस्कृति से जुड़ा हुआ है।

भोजन के दौरान श्रमिक बहनों से बात करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन की जमीनी हकीकत को भी समझने का प्रयास किया। उन्होंने श्रमिक महिलाओं से महतारी वंदन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना और अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभ के बारे में विस्तार से जानकारी ली। महिलाओं ने भी खुले मन से अपने अनुभव साझा किए, जिससे मुख्यमंत्री को योजनाओं की वास्तविक स्थिति का सीधा फीडबैक मिला।

जब मुख्यमंत्री ने गांव की प्रमुख समस्याओं के बारे में पूछा, तो महिलाओं ने बताया कि पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण पेयजल की समस्या लगातार बनी रहती है। बोरवेल और हैंडपंप लंबे समय तक कारगर नहीं रह पाते, जिससे गर्मी के दिनों में पानी की दिक्कत और अधिक बढ़ जाती है। इस समस्या को मुख्यमंत्री ने गंभीरता से लिया और तत्काल समाधान की दिशा में पहल करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने मौके पर ही कलेक्टर से पेयजल व्यवस्था के संबंध में जानकारी ली। कलेक्टर ने बताया कि क्षेत्र के 26 गांवों के लिए एक विशेष पेयजल योजना तैयार की गई है, जिसके अंतर्गत दूरस्थ जल स्रोतों से पाइपलाइन के माध्यम से पानी उपलब्ध कराने की योजना है। यह योजना तकनीकी रूप से तैयार है और इसे जल्द ही क्रियान्वित किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने स्पष्ट शब्दों में निर्देश देते हुए कहा कि इस योजना को यथाशीघ्र स्वीकृति प्रदान कर धरातल पर कार्य शुरू किया जाए, ताकि ग्रामीणों को पेयजल की समस्या से राहत मिल सके। उन्होंने कहा कि सुशासन का वास्तविक अर्थ यही है कि शासन की योजनाएं समय पर और प्रभावी रूप से आमजन तक पहुंचे।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि हमारी सुशासन सरकार जनसमस्याओं के समाधान के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

### सपना देखना और उसे लक्ष्य में बदलकर निरंतर प्रयास करना ही सफलता की कुंजी - मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया। इस अवसर पर आयोजित सम्मान समारोह में मुख्यमंत्री श्री साय ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए हौसला बुलंद रखना सबसे आवश्यक है।

बलरामपुर स्थित सर्किट हाउस में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री साय ने विद्यार्थियों से आत्मीय संवाद किया और उनके भविष्य के लक्ष्यों के बारे में जानकारी ली। अधिकांश विद्यार्थियों ने डॉक्टर और इंजीनियर बनने की इच्छा व्यक्त की, वहीं कुछ ने भारतीय प्रशासनिक सेवा और न्यायिक सेवा में जाने का संकल्प व्यक्त किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने विद्यार्थियों के सपनों की सराहना करते हुए कहा कि सपना देखना और उसे लक्ष्य में बदलकर निरंतर प्रयास करना ही सफलता की कुंजी है।

उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि यदि समर्पण, अनुशासन और आत्मविश्वास के साथ मेहनत की जाए, तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है। उन्होंने आश्वस्त किया कि राज्य सरकार विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण के लिए हर संभव सहयोग प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस उपलब्धि के लिए विद्यार्थियों के अभिभावकों एवं शिक्षकों को भी बधाई देते हुए कहा कि बच्चों की सफलता के पीछे उनके मार्गदर्शन, सहयोग और त्याग की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

इस अवसर पर जिले के कक्षा 12वीं के मेधावी विद्यार्थियों में वाड्रफनगर विकासखंड के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय करमडीहा की कुमारी प्रतिभा गुप्ता, रामचंद्रपुर के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जामवंतपुर की कुमारी स्नेहा कुशवाहा, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सनवाल के सोनू, वाड्रफनगर के श्री कृष्णा, आदर्श हायर सेकंडरी विद्यालय बलंगी की कुमारी प्रिया लता कश्यप तथा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बर्तीकला के अजय गुप्ता, कक्षा 10वीं के मेधावी विद्यार्थियों में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जामवंतपुर के आर्यन गुप्ता, नेशनल पब्लिक इंग्लिश मीडियम हायर सेकेंडरी स्कूल रजखेता की कुमारी आराधना पटेल, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रघुनाथनगर की कुमारी रोशनी कांशी, स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय सेमरा कुसमी की आलिया परवीन तथा स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय रामानुजगंज की आरजू परवीन को मुख्यमंत्री से मिलने और मार्गदर्शन प्राप्त करने का अवसर मिला।

# निर्माण स्थल पर मुख्यमंत्री साय का श्रमदान : श्रमिक बहनों के साथ की ईट जोड़ाई

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

सुशासन तिहार के तहत प्रदेशभर में चल रहे औचक निरीक्षण और जनसंवाद के क्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कबीरधाम जिले के ग्राम लोखन में एक ऐसा अनुभव साझा किया, जिसने सुशासन के ध्येय को और अधिक जीवंत बना दिया। निर्माणाधीन पंचायत भवन के निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने केवल औपचारिक समीक्षा तक खुद को सीमित नहीं रखा, बल्कि उन्होंने उस प्रक्रिया का हिस्सा बनना चुना, जो आमजन के जीवन को सीधे प्रभावित करती है। उनके इस व्यवहार ने यह स्पष्ट कर दिया कि सुशासन केवल नीति और कागजों तक सीमित नहीं, बल्कि जमीन पर उतरकर उसे महसूस करने और जीने की प्रक्रिया है।

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने रानी मिस्त्री के रूप में कार्य कर रहीं श्रमिक बहनों के बीच जाकर कुछ समय उनके साथ ईट जोड़ाई में हाथ बँटाया। इसी दौरान श्रमिक बहन संगीता ने पूरे आत्मीय अधिकार और सहजता के साथ मुस्कुराते हुए मुख्यमंत्री से कहा - ईट जोड़ाई अच्छे से करिए, मसाला बढ़िया से डालिए। यह संवाद एक सामान्य वाक्य से कहीं अधिक था; इसमें वह विश्वास झलकता है, जो आज सरकार और जनता के बीच विकसित हो रहा है। यह वह स्थिति है, जहाँ आम नागरिक बिना झिझक अपनी बात रखता है और नेतृत्व उसे उसी सहजता से स्वीकार करता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सुशासन का वास्तविक अर्थ केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि उन्हें जनता के साथ मिलकर धरातल पर साकार करना है। उन्होंने कहा कि जब शासन और जनता के बीच संवाद, विश्वास और सहभागिता का रिश्ता बनता है, तभी विकास की प्रक्रिया प्रभावी और स्थायी बनती है। उनके अनुसार, यही आत्मीयता और साझेदारी सुशासन की सबसे बड़ी ताकत है। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो, कार्य समयबद्ध ढंग से पूर्ण हों और श्रमिकों के लिए पेयजल, सुरक्षा और अन्य आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं।

सुशासन तिहार ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया कि छत्तीसगढ़ में शासन केवल प्रशासनिक ढांचे तक सीमित नहीं है, बल्कि यह संवेदनशीलता, सहभागिता और विश्वास पर आधारित एक जीवंत व्यवस्था बन चुका है। यहाँ सरकार और जनता के बीच दूरी नहीं, बल्कि संवाद, सहयोग और साझेदारी का संबंध है - और यही संबंध प्रदेश के समग्र विकास की सबसे बड़ी शक्ति बनकर उभर रहा है।

# बस्तर में प्राकृतिक संपदा और नवाचार का संगम- राज्यपाल

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

राज्यपाल रमेन डेका शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय, बस्तर में आयोजित दो दिवसीय इनोवेशन महाकुंभ 1.0 के शुभारंभ समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर उन्होंने बस्तर की कला, संस्कृति और प्राकृतिक संसाधनों को नवाचार से जोड़कर क्षेत्र की एक नई पहचान गढ़ने का आह्वान किया।

युवाओं को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि भारत दुनिया का सबसे युवा देश है और यहाँ के युवाओं में नौकरी खोजने के बजाय नौकरी देने वाला बनने की असीम क्षमता है। उन्होंने उद्यमिता और स्टार्टअप संस्कृति को अपनाने पर जोर देते हुए कहा कि नई शिक्षा नीति-2020 केवल डिग्री तक सीमित नहीं है, बल्कि यह कौशल और आत्मनिर्भरता की नींव रखती है। उन्होंने युवाओं को जोखिम लेने और तकनीक का बेहतर उपयोग करने का संदेश दिया।

राज्यपाल ने कहा कि बस्तर अब चुनौतियों के दौर को पीछे छोड़कर विकास की नई राह पर है। यहाँ उपलब्ध महुआ, इमली, तेंदूपत्ता और रेशम जैसे संसाधनों का उल्लेख करते हुए उन्होंने सुझाव दिया कि हमें कच्चा माल बेचने के बजाय स्थानीय स्तर पर वैल्यू एडिशन कर उत्पादों की ब्रांडिंग करनी चाहिए। उन्होंने बताया कि आज के दौर में मोबाइल फोन ही सबसे बड़ा बाजार है, जहाँ इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप बिजनेस और ई-कॉमर्स के जरिए स्थानीय उत्पादों को वैश्विक मंच दिया जा सकता है।

राज्यपाल ने नवाचार को बढ़ावा देने हेतु इन्नोवेशन एण्ड स्टार्टअप कंपेडियम पुस्तक का विमोचन किया। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने पद्मश्री डॉ. बुधरी ताती को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए सम्मानित किया। पर्यावरण संरक्षण समावेशी विकास के लिए उन्होंने वनों और नदी-नालों के संरक्षण की आवश्यकता बताई। पर्यावरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए राज्यपाल रमेन डेका ने विश्वविद्यालय परिसर में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत मौलश्री के पौधे का रोपण किया। समारोह में वन मंत्री केदार कश्यप, सांसद महेश कश्यप, महापौर संजय पांडेय सहित बस्तर कमिश्नर, आईजी, कलेक्टर, एसपी, विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति और बड़ी संख्या में देश भर से आए विशेषज्ञ व छात्र उपस्थित रहे।

# खाद्य व औषधि प्रशासन का विशेष जांच अभियान जारी

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

छत्तीसगढ़ शासन लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सचिव के निर्देशानुसार तथा कलेक्टर श्री अमृत विकास तोपनो एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के आदेश के परिपालन में सही दवा-शुद्ध आहार, यही छत्तीसगढ़ का आधार थीम पर 15 दिवसीय विशेष सघन जांच अभियान 27 अप्रैल से 11 मई 2026 तक चलाया जा रहा है।

इस अभियान में खाद्य एवं औषधि प्रशासन, राजस्व विभाग एवं पुलिस प्रशासन एवं अपर कलेक्टर बीरेन्द्र लकड़ा के नेतृत्व में कार्यवाही कर रहे हैं। इसी क्रम में संयुक्त जांच दल द्वारा विगत दिवस सक्ती में विभिन्न रेस्टोरेंट एवं भोजनालयों का निरीक्षण किया गया। जिसके तहत मारवाड़ी भोजनालय, जोरको केफे, अभिलाषा रेस्टोरेंट, साजन होटल एवं होटल हिमालय की जाँच की गयी तथा सभी को साफ सफाई का विशेष ध्यान रखने एवं खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के नियमो का पालन करने का निर्देश दिया गया।

इसी प्रकार जाँच दल द्वारा सक्ती शहर के विभिन्न बेकरीयों का निरीक्षण किया गया। नटराज बेकरी, संगीता स्वीट्स एंड बेकरी, टेस्टी टेल्स में पानी जाँच रिपोर्ट, मेडिकल जाँच रिपोर्ट तथा पेस्ट कण्ट्रोल सर्टिफिकेट प्रस्तुत करने के लिए नोटिस जारी किया गया। संयुक्त जाँच दल में खाद्य सुरक्षा अधिकारी शांतनु भट्टाचार्य व निखिलेश साहू के साथ सक्ती पुलिस प्रशासन शामिल रहे। इसी प्रकार इस अभियान में औषधि विभाग के द्वितीय चरण में औषधि प्रकोष्ट की टीम द्वारा जिला सक्ती में जिला कोल्ड चैन स्टोर एवं बाराद्वार अस्पताल में संचालित वैक्सीन सेण्टर का निरिक्षण किया गया। अस्पतालों में वैक्सीन के रख रखाव एवं अभिलेखों का परीक्षण किया गया एवं साफ सफाई, पावर बेक-अप सम्बन्धी आवश्यक निर्देश दिए गये। इस दल में जिला सहायक संचालक पियूष जायसवाल, और औषधि निरीक्षक दुर्गेश कैवर्त व भुनेश्वर मोहले उपस्थित रहे।

## संपादकीय

# जन कल्याण का रास्ता टिकाऊ नहीं

**भारत में जन कल्याण का जो रास्ता चुना गया है, वह टिकाऊ नहीं है। हर वर्ष पिछले साल की तुलना में औसतन अधिक कर्ज लेने के बावजूद सरकारें नकदी हस्तांतरण की योजनाओं को सुगमता से नहीं चला पा रही हैं।**

बृहत-मुंबई महानगर पालिका के रिटायर शिक्षक का पेंशन भुगतान ना होने के बचाव में सरकार ने खजाने में पैसा ना होने का तर्क दिया। तो उससे नाराज बॉम्बे हाई कोर्ट ने कहा कि राज्य सरकार के पास अपने रिटायर्ड कमर्चारियों को पेंशन देने के लिए पैसा नहीं है, तो उसे लड़की बहन योजना रोक देनी चाहिए। इस योजना के तहत राज्य की डेढ़ करोड़ महिलाओं को हर महीने 1,500 रुपये दिए जाते हैं। खुद राज्य के मंत्री ऐसे बयान दे चुके हैं कि इस योजना से राजकोष पर पड़े भारी बोझ के कारण तमाम विभागों के बजट प्रभावित हुए हैं। इस बीच हरियाणा में अस्पतालों के संघ ने संबंधित अधिकारी को पत्र लिख कर कहा है कि 20 अप्रैल तक उनके बकाये का भुगतान नहीं हुआ, तो वे आयुष्मान भारत योजना के तहत मरीजों को भर्ती करना बंद कर देंगे।

पत्र में ध्यान दिलाया गया है कि अस्पतालों का 400 करोड़ रुपये से अधिक बकाया सरकार पर है। आयुष्मान भारत के बारे में ऐसी शिकायतें कई अन्य राज्यों से भी आई हैं। ये खबरें बताती हैं कि भारत में जन कल्याण का जो रास्ता चुना गया है, वह टिकाऊ नहीं है। हर वर्ष पिछले साल की तुलना में औसतन अधिक कर्ज लेने के बावजूद केंद्र और राज्य सरकारें नकदी हस्तांतरण की योजनाओं को सुगमता से नहीं चला पा रही हैं। और ऐसा होना अस्वाभाविक नहीं है। यह मूलभूत सिद्धांत है कि कोई अर्थव्यवस्था उत्पादक निवेश और पूंजी निर्माण पर टिकी नहीं है, तो वह उपभोग उन्मुख जन कल्याण को सुनिश्चित नहीं कर सकती।

ऋण लेना अपने आप में समस्या नहीं है, बशर्ते उसका उपयोग उत्पादन बढ़ाने या टिकाऊ संपत्ति खड़ी करने में हो रहा हो। इन दोनों प्रक्रियाओं से मांग पैदा होती है, जिससे स्वतः उपभोग बढ़ता है। इस क्रम में सरकार का कर राजस्व बढ़ता है, जिससे वह टिकाऊ जन-कल्याण योजनाओं को चलाने की बेहतर स्थिति में होती है। मगर अपने यहां उलटी राह चुनी गई है। इस बीच चुनावी राजनीति में वोट खरीदने की बढ़ी प्रवृत्ति ने स्थिति ओर बिगाड़ दी है। उसका परिणाम महाराष्ट्र और हरियाणा जैसी स्थितियां हैं।

# बंगाल विजय : सांस्कृतिक चेतना, लोकतांत्रिक गरिमा और परिवर्तन के बीच भाजपा की भूमिका, अवसर और कर्तव्य

*आचार्य डॉ. अजय आर्य*

**बंगाल की धरती केवल एक भौगोलिक क्षेत्र नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और वैचारिक चेतना का जीवंत केंद्र रही है। राजा शशांक और लक्ष्मण सेन जैसे शासकों ने जहां राजनीतिक स्थिरता और सांस्कृतिक संरक्षण को सुदृढ़ किया, वहीं चैतन्य महाप्रभु ने भक्ति, प्रेम और समरसता का संदेश देकर समाज को जोड़ा। रामकृष्ण परमहंस ने सर्व धर्म समभाव की अनुभूति कराई और स्वामी विवेकानंद ने आत्मबल, राष्ट्रनिर्माण और युवा चेतना को जागृत किया।**

सामाजिक सुधार के क्षेत्र में राजा राममोहन राय ने सती प्रथा जैसी कुरीतियों के विरुद्ध संघर्ष किया, ईश्वरचंद्र विद्यासागर ने शिक्षा, नारी सम्मान और मानवता को नई दिशा दी, जबकि बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय

और रवींद्रनाथ टैगोर ने सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और वैश्विक मानवता का स्वर बुलंद किया। बंगाल की यह विरासत उसे केवल ऐतिहासिक नहीं, बल्कि वैचारिक नेतृत्व प्रदान करने वाला प्रदेश बनाती है।

इसी वैचारिक प्रवाह में स्वामी दयानंद सरस्वती का बंगाल आगमन एक महत्वपूर्ण अध्याय है। कोलकाता में उनके वेद-आधारित चिंतन, तर्क और सामाजिक सुधार के संदेश ने नवजागरण की चेतना को बल दिया। ब्रह्म समाज के नेताओं, विशेषकर केशवचंद्र सेन के साथ उनके संवाद ने यह सिद्ध किया कि बंगाल विचारों के आदान-प्रदान और बौद्धिक जागरण की भूमि है।

रवींद्रनाथ टैगोर, जिन्हें गुरुदेव के रूप में जाना जाता है, बंगाल की आत्मा के प्रतीक हैं। उनका चिंतन केवल साहित्य तक सीमित नहीं था, बल्कि मानवता, प्रकृति, शिक्षा और स्वतंत्रता के गहरे दर्शन से जुड़ा हुआ था। शांतिनिकेतन के माध्यम से उन्होंने शिक्षा को प्रकृति और सृजनात्मकता से जोड़ते हुए एक वैकल्पिक मॉडल प्रस्तुत किया। आज के समय में जब शिक्षा का व्यापारीकरण बढ़ रहा है, शांतिनिकेतन की अवधारणा और अधिक प्रासंगिक हो जाती है।

वर्तमान राजनीतिक संदर्भ में भारतीय जनता पार्टी की बढ़ती उपस्थिति एक नए युग का संकेत देती है। नरेंद्र मोदी और अमित शाह के नेतृत्व में मिली सफलता पर बधाई देते हुए यह समझना भी आवश्यक है कि यह केवल राजनीतिक विजय नहीं, बल्कि जनविश्वास और अपेक्षाओं की जिम्मेदारी है।

पिछले चुनावों के बाद की घटनाएं लोकतंत्र के इतिहास में एक कड़वे अध्याय के रूप में याद की जाती हैं। चुनाव परिणामों के पश्चात जिस प्रकार हिंसा, आगजनी और राजनीतिक प्रतिशोध की घटनाएं सामने आईं, उन्होंने लोकतांत्रिक मूल्यों को आहत किया। किसी भी विचारधारा से असहमति होना स्वाभाविक है, किंतु हिंसा का सहारा लेना किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं हो सकता। यह न केवल सामाजिक समरसता को तोड़ता है, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा को भी आघात पहुंचाता है।

इन्हीं घटनाओं ने आगामी चुनावों की रणनीति को प्रभावित किया। इस बार केंद्रीय सुरक्षा बलों की व्यापक तैनाती और सख्त निगरानी ने मतदाताओं के मन में विश्वास जगाने का कार्य किया। यह सुनिश्चित किया गया कि मतदाता निर्भय होकर अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें। लोकतंत्र की सफलता केवल मतदान तक सीमित नहीं, बल्कि उसके बाद भी शांति और विश्वास बनाए रखने में निहित है।

बंगाल की सांस्कृतिक पहचान का सबसे सशक्त प्रतीक दुर्गा पूजा है। यहां के पंडाल, कुम्हारटोली की मूर्तिकला, पारंपरिक और आधुनिक कला का संगम इसे विश्वस्तरीय सांस्कृतिक आयोजन बनाता है। यह केवल धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि सामाजिक एकता, रचनात्मकता और सामूहिक ऊर्जा का प्रतीक है।

बंगाल की बौद्धिक विरासत भी उतनी ही समृद्ध है। राष्ट्रीय पुस्तकालय कोलकाता और भारतीय संग्रहालय जैसे संस्थान इतिहास, कला और ज्ञान के अमूल्य भंडार हैं। वहीं गंगासागर को एक अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक और धार्मिक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने की अपार संभावनाएं हैं। यदि यहां आधुनिक सुविधाएं, बेहतर परिवहन और वैश्विक प्रचार को बढ़ावा दिया जाए, तो यह क्षेत्र आर्थिक और सांस्कृतिक दृष्टि से नई ऊंचाइयों को छू सकता है।

आगामी सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती विकास और सांस्कृतिक संतुलन को साथ लेकर चलने की है। सबका साथ सबका विकास सबका प्रयास एक व्यापक दृष्टिकोण है, किंतु इसके साथ यह भी आवश्यक है कि अपने मूल सामाजिक और सांस्कृतिक आधार को सुदृढ़ बनाए रखा जाए। कई बार व्यापक स्वीकार्यता की कोशिश में अपने मूल आधार की उपेक्षा हो जाती है, जो दीघर्कालिक दृष्टि से उचित नहीं है।

अंततः, बंगाल का भविष्य उसकी सांस्कृतिक विरासत, प्रखर विचारधारा और संतुलित राजनीतिक नेतृत्व पर निर्भर करता है। यदि यह संतुलन कायम रहता है, तो बंगाल पुनः भारत के सांस्कृतिक और वैचारिक नेतृत्व का केंद्र बन सकता है और राष्ट्र के समग्र विकास में अग्रणी भूमिका निभा सकता है।

**( लेखक आर्य समाज के प्रतिष्ठित विद्वान, समाजसेवी और लेखक हैं )**

## सू- दोकू क्र.029

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | 7 | | | | 1 | | 3 | |
| 1 | | 9 | | | | 5 | | |
| | | | 3 | | | | 1 | |
| | | 5 | | | | | | 3 |
| 3 | | | | | 2 | | 5 | |
| | | | | 3 | | | | 2 |
| | 4 | | | | | | 7 | |
| 7 | | 8 | | 1 | | 6 | | |
| | 6 | | 7 | | 9 | | | 1 |

**नियम**

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1सेo9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

**सू-दोकू क्र.028 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 5 | 2 | 4 | 9 | 6 | 7 | 8 | 1 | 3 |
| 3 | 6 | 7 | 4 | 1 | 8 | 2 | 9 | 5 |
| 8 | 1 | 9 | 3 | 2 | 5 | 4 | 6 | 7 |
| 6 | 3 | 5 | 1 | 9 | 4 | 7 | 2 | 8 |
| 7 | 9 | 8 | 5 | 3 | 2 | 6 | 4 | 1 |
| 2 | 4 | 1 | 7 | 8 | 6 | 5 | 3 | 9 |
| 4 | 5 | 3 | 6 | 7 | 9 | 1 | 8 | 2 |
| 9 | 8 | 6 | 2 | 5 | 1 | 3 | 7 | 4 |
| 1 | 7 | 2 | 8 | 4 | 3 | 9 | 5 | 6 |

# पहाड़ों के बीच बसाहट तक पहुँची नई उम्मीद की सड़क

*नई दृष्टिबिंदु / कोरबा*

कोरबा विकासखण्ड के दूरस्थ, पहाड़ी और जंगलों की गोद में बसे जामभाठा, सोनारी और आसपास के छोटे-छोटे पारा-टोले, जहाँ वर्षों से विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा और पंडो परिवार निवास करते आ रहे थे। प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर यह क्षेत्र जितना सुंदर था, उतना ही कठिन भी। गाँव तक आने-जाने के लिए कोई पक्की सड़क नहीं थी। लोग पथरीली और ऊबड़-खाबड़ पगडंडियों से गुजरते थे।

बारिश के दिनों में कीचड़ और फिसलन से रास्ता और भी खतरनाक हो जाता था। बीमार को अस्पताल ले जाना हो, किसी बुजुर्ग को बाहर ले जाना हो या बच्चों की पढ़ाई, हर कदम संघर्ष से भरा हुआ था। ग्राम देवपहरी मुख्य मार्ग से भीतर के इन गाँवों तक पहुँचना कई बार ऐसा लगता था जैसे दुनिया से कटकर एक अलग पहाड़ी द्वीप में प्रवेश कर रहे हों। लोगों को राशन लाने के लिए कई किलोमीटर पैदल चलना पड़ता था और

फिर सिर पर बोरा रखकर उसी कच्चे, पथरीले रास्ते से लौटना पड़ता था। बरसात में तो कोई वाहन आने को तैयार ही नहीं होता था, जिससे गाँव का संपर्क लगभग टूट जाता था।

इसी कठिन जीवन के बीच आशा की किरण तब दिखाई दी जब देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विशेष पिछड़ी जनजातियों के उत्थान के लिए पीएम जनमन योजना की शुरुआत की। प्रधानमंत्री की पहल के पच्चात मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देषन में इस योजना के अंतर्गत जामभाठा, सोनारी और आसपास के टोला-पारा तक पक्की सड़क पहुँचाने का निर्णय लिया गया। लगभग 3.60 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण पहाड़ी और पथरीले भू-भाग पर एक चुनौतीपूर्ण कार्य था, लेकिन संकल्प और प्रयासों ने इसे संभव बना दिया। धीरे-धीरे पहाड़ों को चीरती हुई नई सड़क गाँव तक पहुँच गई।

सड़क बनते ही यहाँ के लोगों के जीवन में एक नया अध्याय शुरू हुआ। गाँव के पहाड़ी कोरवा पन साय बताते हैं कि पहले की कठिनाइयों को याद करते ही आज भी आँखें भर आती हैं। बारिश के दिनों में बीमार व्यक्ति को अस्पताल ले जाना बहुत कठिन होता था। कोई वाहन घर तक नहीं आता था, राशन सिर पर उठाकर पैदल लाना पड़ता था। अब वाहन सीधे घर तक पहुँचने लगे हैं और एम्बुलेंस भी आसानी से आ जाती है। उनके अनुसार, इस सड़क ने गाँव में नई जान फूंक दी है।

गाँव की कुमारी बाई बताती हैं कि गाँव के लोग बहुत गरीब हैं और उनका जीवनयापन जंगल पर निर्भर है। लेकिन पक्की सड़क बनने से आवागमन बेहद आसान हो गया है। गाँव में अब स्कूल तक शिक्षक भी आसानी से पहुँच पाते हैं। उनका मानना है कि सड़क ने गाँव को बाहरी दुनिया से जोड़ दिया है और अब उन्हें लगता है कि उनका जीवन भी मुख्यधारा से जुड़ रहा है। कुछ ही दिन पहले कलेक्टर कुणाल दुदावत और अन्य अधिकारी भी गाँव पहुँचे और सड़क का निरीक्षण किया। इससे लोगों को भरोसा मिला कि उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना जा रहा है और प्रशासन अब उनकी दहलीज तक पहुँच रहा है।

जब पहाड़ों के बीच बसे लोग लंबे समय बाद विकास की किरण को अपनी चौखट पर देखते हैं, तो वह सड़क उनके लिए सिर्फ एक मार्ग नहीं, बल्कि नए जीवन की शुरुआत बन जाती है। जामभाठा और सोनारी की यह कहानी सिर्फ सड़क बनने तक सीमित नहीं है। यह उन गाँवों की कहानी है जो वर्षों से अलग-थलग पड़े थे। यह उस उम्मीद की कहानी है जो एक सड़क के माध्यम से उनके जीवन में प्रवेश कर गई। अब न सिर्फ आवागमन आसान हुआ है, बल्कि स्वास्थ्य, शिक्षा और सुविधाओं तक पहुँच भी सरल हो गई है।

# बंगाल चुनाव के सियासी दांवपेच में एसआईआर की भूमिका

*ज्योति मल्होत्रा*

**अगर भाजपा पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव जीत जाती है, तो अब तक अपने आकर्षण से बचे रहे राज्य की विजय का अपना पक्का इरादा साबित कर देगी। अगर ऐसा हुआ तो इसमें अन्य सियासी दांव-पेच के अलावा विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर की बड़ी भूमिका होगी। वहीं आप शासित पंजाब में भी विधानसभा चुनाव ज्यादा दूर नहीं। सात सांसदों के पालाबदल से सरगर्मी शुरू हो चुकी है।**

पंजाब से लेकर बंगाल तक, देश के दो छोर पर बसे इन दोनों राज्यों की राजनीति में खास तरह की गरमाहट साफ दिखाई दे रही है। पंजाब में, सत्ताधारी आम आदमी पार्टी को उम्मीद थी कि वह मई दिवस का इस्तेमाल संकट के संकेत के बजाय (मूलतः फ्रांसीसी वाक्यांश मे-डे, यानी मदद करना) यह दिखाने में कर सकेगी कि पार्टी के कुछ लोगों द्वारा पाला बदल लेने के बावजूद, दल पूरी तरह एकजुट है। लेकिन हुआ यह कि मई दिवस पर मजदूरों के अधिकारों संबंधी अवसर मनाने के लिए बुलाया गया विधानसभा का विशेष सत्र, राजनीतिक वाक युद्ध की भेंट चढ़ गया। सदन की कारवाई कुछ देर के लिए स्थगित करनी पड़ी और विपक्ष को सत्ताधारी पार्टी पर यह आरोप लगाने का मौका मिल गया कि वह ह्यपानी को शराब में बदलने (यानी, अच्छी चीज को खराब वस्तु में बदल देने) का काम कर रही है।

यह घटना पंजाब की पहले से ही गंदली हुई पड़ी राजनीति को और कितना मैला करेगी? एक ही झटके में, भाजपा को सात नए राज्यसभा सांसद मिल गए हैं, क्योंकि पिछले हफ़्ते आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसदों का एक गुट टूटकर भाजपा में शामिल हो गया। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान जल्द ही राष्ट्रपति से मिलकर यह कहेंगे कि यह टूटन दल-बदल विरोधी कानून का उल्लंघन है। फिर भी, इस झटके से बुरी तरह हिली हुई पार्टी आजकल अपनी ताकतों और कमजोरियों का आकलन कर रही है।

भले ही भाजपा में हाल ही में शामिल हुए ये सातों कोई जनाधार वाले नेता न हों- वास्तव में, यह धारणा बन जाना कि उन्होंने किसी डर या फायदे के लालच में आप छोड़कर भाजपा का दामन थामा है, इसका लाभ आम आदमी पार्टी को मिलने की संभावना है -लेकिन यह सच है कि भाजपा ने पहला वार कर डाला है। मुकाबला शुरू हो चुका है। यह तब खत्म होगा, जब आज से दस महीने से भी कम समय बाद पंजाब में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान होगा।

वहीं देश के दूसरे छोर पर, आज बंगाल और बाकी देश को पता चल जाएगा कि हवा का रुख बदला है या नहीं। अधिकांश एग्जिट पोल पहले ही इस राज्य में भाजपा को जीत मिलने का अनुमान दिखा रहे हैं। लेकिन बंगाल की धरती पर कुछ और ही चल रहा है। सालों में पहली बार, लोकतंत्र के अध्ययन के लिए समर्पित भारत की सबसे बड़ी सामाजिक विज्ञान संस्था- सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ डेवलप्पिंग सोसाइटीज- और उसकी शोध शाखा लोकनीति ने विधानसभा चुनावों के इस दौर में कोई भी चुनावी सर्वेक्षण नहीं किया। जाने-माने चुनाव विश्लेषक, एक्सिस माई इंडिया के प्रदीप गुप्ता ने यह कहते हुए कि राज्य के 70 प्रतिशत मतदाताओं ने उनके पोलिंग सर्वे में बात करने से मना कर दिया, बंगाल के लिए सीटों का अनुमान नहीं दिया है-हालांकि उन्होंने उन सभी दूसरे राज्यों के लिए अनुमान दिए हैं जहां पर चुनाव हुए हैं। इसी प्रकार सी-वोटर पोलिंग एजेंसी के प्रमुख, यशवंत देशमुख ने भी सीटों का अनुमान देने से मना करते हुए कहा कि अगर ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस कोलकाता और उसके आसपास के पांच मुख्य ज़िलों-कोलकाता, हावड़ा, 24 उत्तर परगना, 24 दक्षिण परगना और नदिया-पर अपना कब्जा बनाए रखने में कामयाब रहती है, क्योंकि 294 सीटों वाली विधानसभा में इन ज़िलों की 108 सीटें हैं-तो वह अभी भी मुख्यमंत्री बनी रह सकती हैं।

सच तो यह है कि अगर भाजपा बंगाल जीत जाती है, तो वह उस इकलौते राज्य को जीतने का अपना पक्का इरादा साबित कर देगी जो अब तक उसके आकर्षण से बचा रहा- और यह जीत ह्यसाम, दाम, दंड, भेदह्ल और ह्यविशेष गहन पुनरीक्षणह्ल के जरिए हासिल होगी। ऐसा करते हुए भाजपा ने निश्चित रूप से चाणक्य के उस विख्यात ग्रंथ में एक और तरीका जोड़ दिया है, जिसमें एक चतुर शासक द्वारा अपनी प्रजा को काबू में रखने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले चार तरीकों- हेरफेर, रिश्वत, दंड और फरेब-का ज़िक्र है; और यह नया तरीका है बंगाल में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण करवाना। इसका नतीजा यह रहा कि तार्किक विसंगति वाले नियम के तहत 27 लाख मतदाताओं के नाम कट जाने के अलावा, हजारों लोगों के पास अपनी पात्रता सिद्ध करने का समय खत्म हो गया, क्योंकि उनके कागजात पूरे नहीं थे।

शायद राहुल गांधी को छोड़कर, जो 29 अप्रैल को बंगाल में करो या मरो वाले मतदान के समय ग्रेट निकोबार द्वीप के जंगलों में घूम रहे थे या धमशाला की बारिश से भीगी पहाड़ियों की तारीफ कर रहे थे, अब हर राजनेता के मूल स्वभाव में पहली चार बातें (साम, दाम, दंड, भेद) पूरी तरह से रच-बस गई हैं। आपके मनीष सिसोदिया ने पिछले अगस्त में ही ये नुक्ता बेझिझक बताया, जब उन्होंने कहा था कि पंजाब की लड़ाई में उनकी पार्टी इन तरीकों (साम, दाम, दंड, भेद, सच, झूठ, सवाल, जवाब, लड़ाई-झगड़ा) का इस्तेमाल करने में गुरेज नहीं करेगी। पंजाब भाजपा के सुनील जाखड़ ने उस समय सिसोदिया की इस टिप्पणी पर चुनाव आयोग से शिकायत की थी -लेकिन दोनों नेताओं को निश्चित रूप से अपनी बात कहने का पूरा हक था; उनकी टिप्पणियां रोजमर्रा की राजनीति की लक्ष्मण रेखा के भीतर ही थीं।

बंगाल में, चुनावी प्रक्रिया में विशेष गहन पुनरीक्षण को शामिल करना- जोकि सैद्धांतिक रूप से कोई गलत कदम नहीं था -एक निष्ठुरता में बदल गया, खासकर तब जब समय कम था और राज्य को डिजिटाइज करने की कोशिश में इंसानी हाथों से फार्म भरने में कई तरह की बेवकूफी भरी गलतियां हुईं, जिनके नतीजे बहुत बुरे रहे। खैर, जो भी हो। पासा फेंका जा चुका है। मतदान हो चुका है। मतपेटियां बंद होने के तीन दिन बाद, यानी मई दिवस को, कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में 993 रुपये बढ़ोतरी की घोषणा कर दी गई।

इधर पंजाब में, अगर आम आदमी पार्टी को विपक्ष का मुकाबला करना है, तो उसे निश्चित रूप से अपने रास्ते पर डटे रहना होगा। फिलहाल, उसका पलड़ा भारी है। कांग्रेस अभी भी अंदरूनी कलह से जूझ रही है -उसके कई नेताओं में व्यक्तिगत खूबियां होने के बावजूद , उन के सामूहिक प्रयास के नतीजे कोई ज़्यादा खास नहीं बन पाते।

मेरे सहयोगी राजमीत सिंह की रिपोर्ट के अनुसार, धर्मशाला में राहुल गांधी द्वारा किए गए नेतृत्व प्रशिक्षण सत्र के बाद, पार्टी नेताओं से कहा गया कि वे सितंबर में कानून-व्यवस्था पर केंद्रित पदयात्राएं आयोजित करें। इसके अलावा, एक नई मूल्यांकन प्रणाली के तहत पदाधिकारियों के लिए अपनी गतिविधियों की तस्वीरें और रिपोर्ट अपलोड करना अनिवार्य कर दिया गया है। नेहरू के पर-नाती के नेतृत्व में, इस पुरानी और बड़ी पार्टी का एक गैर सरकारी संगठन जैसी संस्था में बदल जाना साफ-साफ दिखाई दे रहा है। जहां तक भाजपा की बात है, हालांकि वह पंजाब में आप की कमजोरी को भांप चुकी है, फिर भी उसके पास फिलहाल वह ताकत और संसाधन नहीं कि निर्णायक हमला कर सके।

या कम से कम बंगाल भी अब तक भाजपा के बारे में ठीक यही सोचता था। चाहे यह राज्य प्रधानमंत्री मोदी की पार्टी के आकर्षण में फंसे या न फंसे, सच तो यह है कि इस राज्य में पार्टी की जोरदार कोशिशों ने इसे हमेशा के लिए बदल दिया है। अब सबकी नजरें 4 मई पर टिकी हैं।

# अहंकार का अंत, राजनीति में दूरदृष्टि ही होती है स्थायी

*आलोक तिवारी*

**राजनीति में महत्वाकांक्षा स्वाभाविक है, पर जब वह अहंकार में बदल जाए तो पतन तय हो जाता है। हालिया घटनाक्रम इसका जीवंत प्रमाण है। अरविन्द केजरीवाल ने दिल्ली से निकलकर राष्ट्रीय फलक पर प्रधानमंत्री बनने का सपना बुना। नीतीश कुमार ने बार-बार पाला बदलकर दिल्ली की कुर्सी तक पहुंचने की सीढ़ी तलाशी। ममता बनर्जी ने थर्ड फ्रंट का झंडा उठाकर खुद को पीएम पद की दावेदार बताया। तीनों ने एक बात समान रूप से की— कांग्रेस को कमजोर, अप्रासंगिक और बोझ बताकर किनारे लगाया।**

परिणाम क्या निकला? प्रधानमंत्री की कुर्सी तो दूर, तीनों नेताओं की अपनी मुख्यमंत्री की कुर्सी भी डगमगा गई। केजरीवाल कानूनी शिकंजे और संगठनात्मक बिखराव में उलझे। नीतीश कुमार की विश्वसनीयता का ग्राफ जमीन छू गया। बंगाल में ममता बनर्जी का किला भवानीपुर तक में ढह गया।

यह महज संयोग नहीं, राजनीति का कठोर नियम है। कांग्रेस देश की सबसे पुरानी पार्टी है। उसके पास अनुभव, संगठन और जनाधार की वह जड़ें हैं जो एक-दो चुनावी हार से नहीं उखड़तीं। उसे कमजोर समझना, उसकी उपेक्षा करना, खुद को उससे बड़ा मान लेना—यही वह भूल थी जो तीनों नेताओं को भारी पड़ी।

विपक्षी एकता का मतलब किसी एक पार्टी को नकारना नहीं होता। अहंकार में आकर सबसे बड़े सहयोगी को ही दुश्मन बना लिया जाए तो लड़ाई शुरू होने से पहले ही हार तय हो जाती है। राजनीति में तात्कालिक लाभ के लिए उठाए गए कदम दूरगामी नुकसान दे जाते हैं।

वक्त का आईना साफ है। जो जमीन से जुड़कर, सबको साथ लेकर चलता है, वही टिकता है। जो सिर्फ अपना कद बढ़ाने के लिए दूसरों को छोटा दिखाता है, वह खुद बौना साबित हो जाता है।

कांग्रेस को खत्म मानने वालों के लिए यह सबक है। और कांग्रेस के लिए भी संदेश है कि जनादेश को अहंकार नहीं, विनम्रता से स्वीकार करे। क्योंकि राजनीति में कुर्सी स्थायी नहीं होती, स्थायी होता है जनता का विश्वास। और विश्वास दूरदृष्टि से बनता है, अहंकार से नहीं।

# एक्यूट किडनी इंजरी के खतरे को कम करती है कॉफी

**हाल ही में एक नए अध्ययन से पता चला है कि, एक दिन में कम से कम एक कप कॉफी का सेवन करना एक्यूट किडनी इंजरी (एकेआई) कम कर सकता है। एकेआई को गुर्दे की गंभीर बिमारी के रूप में परिभाषित किया गया है, जो बहुत तेजी से गुर्दे के खराब होने से जुड़ा हुआ है।**

जर्नल किडनी इंटरनेशनल रिपोर्ट्स में प्रकाशित निष्कर्ष बताते हैं कि, ''जो लोग हर दिन किसी भी मात्रा में कॉफी पीते थे, उनमें एकेआई 15 प्रतिशत कम था। वहीं दिन में दो से तीन कप पीने वाले समूह में सबसे बड़ी कमी देखी गई।'' एक्यूट किडनी इंजरी में अपशिष्ट उत्पादों का निर्माण करता है, जिससे किडनी के लिए शरीर में तरल पदार्थों का सही संतुलन बनाए रखना मुश्किल हो जाता है। जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के शोधकताओं को संदेह है कि, ''एकेआई जोखिम पर कॉफी के प्रभाव का कारण यह हो सकता है कि या तो जैविक रूप से सक्रिय यौगिकों को कैफीन के साथ जोड़ा जाता है या सिर्फ कैफीन ही गुर्दे के भीतर छिड़काव और ऑक्सीजन के उपयोग में सुधार करता है।'' यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ मेडिसिन में मेडिसिन के प्रोफेसर संबंधित लेखक चिराग पारिख ने कहा, ''गुर्दे की अच्छी कार्यप्रणाली और एकेआई के प्रति सहनशीलता एक स्थिर रक्त आपूर्ति और ऑक्सीजन पर निर्भर है।'' टीम ने 14,207 वयस्कों का आकलन किया, जिनका 24 साल की अवधि में सात बार सर्वेक्षण किया गया। सर्वेक्षण अवधि के दौरान, तीव्र गुर्दे की चोट के 1,694 मामले दर्ज किए गए। हालांकि, अधिक अध्ययन की जरूरत है। पारिख ने कहा, ''गुर्दे के लिए कॉफी की खपत के संभावित सुरक्षात्मक तंत्र को परिभाषित करने के लिए, विशेष रूप से सेलुलर स्तर पर।''

# पानी की कमी के साथ ही यह पाचन संबंधी समस्याओं को भी दूर करता है पपीता

**पपीता सेहतमंद फल माना जाता है। गर्मियों में इसे विशेष रूप से पसन्द किया जाता है। कहते हैं पपीता पानी की कमी को दूर करता है। साथ ही यह पाचन संबंधी समस्याओं को दूर करने में मदद करता है। एक तरफ जहाँ पपीता सेहत के लिए फायदेमंद होता है वहीं दूसरी ओर यह बालों के लिए भी बहुत फायदे वाला है।**

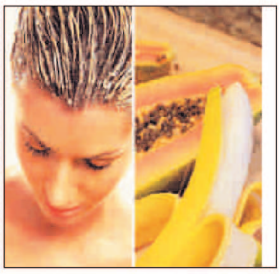

पपीता सेहतमंद फल माना जाता है। गर्मियों में इसे विशेष रूप से पसन्द किया जाता है। कहते हैं पपीता पानी की कमी को दूर करता है। साथ ही यह पाचन संबंधी समस्याओं को दूर करने में मदद करता है। एक तरफ जहाँ पपीता सेहत के लिए फायदेमंद होता है वहीं दूसरी ओर यह बालों के लिए भी बहुत फायदे वाला है। प्रदूषण, धूल-मिट्टी की वजह से बालों में आई कई परेशानियों से पपीता राहत दिलाता है। पपीते से तैयार होममेड हेयर मास्क से आप ड्राई और बेजान बालों में भी चमक ला सकते हैं।

## पपीता, केला व शहद का हेयर मास्क

रूखे व बेजान बालों के लिए यह हेयर मास्क बेहद असरदार है। इसके लिए एक पके केले में 7-8 टुकड़े पपीते के डालकर मसलें। फिर इसमें 1 चम्मच शहद डालें। सारी सामग्री को मिलाकर पेस्ट तैयार कर लें। इस पेस्ट को अपने पूरे बालों में लगाएं और 2-3 घंटों के लिए लगा रहने दें। बाद में बालों को शैंपू से धो लें।

## पपीता, नींबू के रस व शहद का हेयर मास्क

एवं बालों में रूसी और खुजली से छुटकारा दिलाने में यह हेयर मास्क बेहद फायदेमंद है। इसके लिए एक कटोरी में 8-9 टुकड़े पपीता लेकर इन्हें पीस लें। अब इसमें 2 चम्मच नींबू का रस व 1 चम्मच शहद मिलाएं। इस मिश्रण को अपनी सिर की त्वचा में लगाएं तथा हल्के हाथों से सर की मालिश करें। 1 घंटे तक लगे रहने के बाद बालों को शैंपू से धो लें।

## पपीता-शहद-कोकोनट मिल्क हेयर मास्क

पपीता के आधे कप टुकड़ों को ब्लेंड कर के एक बाउल में इसको निकाल लें। अब इसमें आधा कप कोकोनट मिल्क और एक चम्मच शहद मिलाएं। तीनों चीजों को अच्छी तरह से आपस में मिक्स कर लें फिर बालों और स्कैल्प पर अच्छी तरह से लगाएं। इसके बाद हल्के हाथों से पांच मिनट मालिश करें फिर आधा घंटा लगा रहने दें, इसके बाद शैम्पू कर लें।

## पपीता-ऑलिव ऑयल हेयर मास्क

एक कप पपीते के टुकड़ों को अच्छी तरह से मैश कर लें। अब दो चम्मच पपीते को एक बाउल में निकालें और इसमें दो चम्मच ऑलिव ऑयल मिक्स कर लें। इन दोनों चीजों को आपस में अच्छी तरह से मिला लें और इसको बालों और स्कैल्प पर लगाकर दस मिनट तक सर की मालिश करें। इसके बाद आधा घंटा इसको लगा रहने दें फिर शैम्पू कर लें।

## पपीता-दही हेयर मास्क

पपीता और दही का हेयर मास्क बनाने के लिए एक कप पपीते को ब्लेंड करके पल्प तैयार कर लें। अब इसको छलनी या कपड़े की मदद से छान कर इसका रस अलग कर लें। अब चार-पांच चम्मच पपीते का रस लें और फिर इसमें दो चम्मच दही मिक्स कर लें। दोनों चीजों को फेंट कर आपस में मिक्स कर लें और ब्रश या उंगलियों की मदद से स्कैल्प और बालों पर लगा कर आधा घंटा ऐसे ही छोड़ दें। इसके बाद पांच मिनट तक सर की मसाज करें फिर शैम्पू कर लें।

## पपीता-विटामिन ई ऑयल हेयर मास्क

इसे बनाने के लिए विटामिन ई का तेल लें और करी पत्ते को एक उपयुक्त बर्तन में डालकर मीडियम आंच पर रखें। इसे तब तक गर्म करें जब तक पत्तियां चटकने न लगें। आंच बंद कर दें और तेल को कुछ मिनट के लिए ठंडा होने दें। जब तेल ठंडा हो जाए तो इसे छानकर एक कप में निकाल लें। थोड़ा पपीते का रस डालें और अच्छी तरह मिलाएं। इस मिश्रण से अपने सिर की मालिश करें। इसे अच्छी तरह से लगाएं और एक या दो घंटे के लिए रहने दें।

## पपीता-एलोवेरा हेयर मास्क

पपीता-एलोवेरा हेयर मास्क बनाने के लिए आप पपीते को छीलकर इसके छोटे-छोटे टुकड़े कर लें। अब करीब एक कप पपीते के टुकड़े लेकर इसको अच्छी तरह से ब्लेंड कर लें और इसका रस अलग कर लें। अब इस पपीते के रस में दो चम्मच एलोवेरा जेल मिला कर अच्छी तरह से दोनों चीजों को मिक्स कर लें। फिर इस मिक्सचर को बालों और स्कैल्प पर अच्छी तरह से अप्लाई करके आधा घंटा छोड़ दें। इसके बाद पांच मिनट तक बालों और स्कैल्प की मसाज करके शैम्पू कर लें।

## पपीता, बेसन और दही का हेयर मास्क

ये बालों में प्राकृतिक चमक बढ़ाता है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले पपीते को मिक्सर में पीसकर पेस्ट तैयार करें। पपीते के पेस्ट में दही और बेसन मिलाएं और अच्छी तरह से मिक्स करें। हेयर मास्क इस्तेमाल के लिए तैयार है। इस्तेमाल के लिए बालों को अच्छी तरह से सुलझाकर दो बराबर भागों में विभाजित करें। हेयर मास्क से अपने स्कैल्प की अच्छी तरह से मालिश करें। हेयर मास्क को लगभग आधे घंटे तक बालों में रहने दें। सिर को शावर कैप से ढक लें। 30 मिनट के बाद बालों को माइल्ड शैम्पू से धो लें। इस हेयर मास्क को 15 दिनों में एक बार दोहराएं।

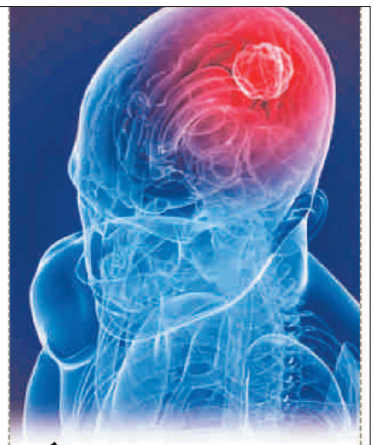

# ब्रेन ट्यूमर का इलाज संभव

**ब्रेन ट्यूमर मस्तिष्क में होने वाली असामान्य कोशिकाओं का एक संग्रह है। जब ट्यूमर बढ़ता है, तो इससे खोपड़ी के अंदर दबाव बढ़ सकता है। यह स्थिति मस्तिष्क को क्षति पहुंचाती है और खतरनाक हो सकती है।**

अलग-अलग मामलों में ब्रेन ट्यूमर के संकेत और लक्षण भिन्न हो सकते हैं। यह ब्रेन ट्यूमर के आकार, स्थान और बढ़ने की दर पर निर्भर करते हैं। कई बार बिना किसी लक्षण के भी व्यक्ति को ब्रेन ट्यूमर की समस्या हो सकती है। ब्रेन ट्यूमर में निम्न संकेत व लक्षण शामिल होते हैं जैसे कि बार-बार सिरदर्द होना ब्रेन ट्यूमर का एक आम लक्षण है, सिरदर्द का धीरे-धीरे गंभीर होते जाना, बिना किसी कारण के उल्टी और मतली आना, धुंधला दिखाई देना, दोहरा दिखाई देना, दूर की नजर कमजोर होना, हाथ व पैर के संचालन व संवेदनशीलता में लगातार कमी आना, शरीर का संतुलन बिगड़ना, उलझन, व्यवहार में परिवर्तन आना, थकान होना, सुस्ती आना, शॉर्ट टर्म मैमोरी लॉस, बोलने या समझने में कठिनाई, नींद न आना, दैनिक गतिविधियों व उनको करने की क्षमता में बदलाव आना आदि।

ब्रेन ट्यूमर होने के जोखिम को बढ़ाने वाले कुछ कारकों की पहचान की जा चुकी है, जैसे बढ़ती आयु, रेडिएशन का दुष्प्रभाव, कैंसर का पारिवारिक इतिहास और एचआईवी या एड्स होना। उम्र बढ़ने के साथ ब्रेन ट्यूमर होने का खतरा बढ़ सकता है। वृद्ध व्यक्तियों में ब्रेन ट्यूमर होना सबसे आम है। हालांकि, ब्रेन ट्यूमर किसी भी उम्र में हो सकता है। कुछ प्रकार के ब्रेन ट्यूमर तो केवल बच्चों में ही पाए जाते हैं।

## रेडिएशन का एक्सपोजर

जिन लोगों को 'आयोनिजिंग रेडिएशन' नामक एक खास रेडिएशन का एक्सपोजर हुआ हो, उनमें ब्रेन ट्यूमर का खतरा बढ़ जाता है। आयोनिजिंग रेडिएशन होती है सिर पर एक बड़ी मशीन से विकिरण चिकित्सा करवाना जैसे कि कैंसर के इलाज में की जाती है।

## पारिवारिक इतिहास

यदि आपके परिवार के किसी सदस्य को पहले कभी ब्रेन ट्यूमर की समस्या रही हो, तो आपके मस्तिष्क में ब्रेन ट्यूमर होने की संभावना काफी हद तक बढ़ जाती है।

## पहले कैंसर होना

कैंसर से पीड़ित बच्चों को अपने बाद के जीवनकाल में ब्रेन ट्यूमर होने का अधिक खतरा रहता है। जिन वयस्कों को ल्यूकेमिया (रक्त कैंसर) होता है, उनमें भी इसके होने का खतरा रहता है।

## एच.आई.वी-एड्स

सामान्य जनसंख्या की तुलना में, यदि आपको एचआईवी या ऐड्स है तो आपको ब्रेन ट्यूमर होने की संभावना अधिक होती है।

यदि आपको ब्रेन ट्यूमर से जुड़े किसी भी प्रकार के लक्षण महसूस होते हैं तो ऐसी स्थिति में आप डॉक्टर से तुरंत शारीरिक परीक्षण लें जैसे न्यूरोलॉजिक परिक्षण, एमआरआई, सीटी स्कैन, स्पाइनल टैप और जरूरत होने पर बॉयोप्सी करवा, जल्द से जल्द इलाज कराना चाहिए।

# विटामिन-मिनरल को चूस लेता है तंबाकू

**स्मोकिंग और तंबाकू से शरीर में पोषण की कमी हो सकती है और कमजोरी आ सकती है।**

तंबाकू की खेती से मिट्टी का उपजाऊपन खो जाता है और उसके अंदर फॉस्फोरस, पोटैशियम, सल्फर और मैग्नीशियम खत्म हो जाता है। जो पदार्थ मिट्टी से पोषण छीन सकता है, वो आपके शरीर में भी विटामिन व मिनरल्स की कमी कर सकता है।

## निकोटीन है असली दुश्मन

डॉक्टर ने बताया कि तंबाकू के अंदर निकोटीन और कई सारे खतरनाक कैमिकल होते हैं। ये जहरीले पदार्थ पोषण को इस्तेमाल करने की क्षमता को कम कर देता है। जिसकी वजह से शरीर में पोषक तत्वों की कमी हो सकती है।

## चली जाती है स्वाद और गंध

निकोटीन आपके टेस्ट बड्स को धीरे-धीरे कमजोर कर देता है, जिसकी वजह से आपको स्वाद कम आने लगता है। इसी वजह से स्मोकिंग करने वाले अधिकतर लोग तेज मसाले और मीठा खाते हैं। स्मोकिंग करने पर शरीर को कम ऑक्सीजन मिलती है। जिसकी वजह से नेजल पैसेज भी डैमेज होने लगता है और गंध आनी कम हो जाती है।

## भूख हो जाती है कम

स्मोकिंग से दिमाग और सेंट्रल नर्वस सिस्टम पर बुरा असर पड़ता है। इसके कारण भूख कम होने लगती है और आपकी डाइट घट जाती है। इसकी वजह से शरीर को कम पोषण मिलता है और न्यूट्रिशन की कमी हो सकती है।

## कम होने लगते हैं ये विटामिन और मिनरल

निकोटीन के कारण पोषक तत्वों का ढंग से इस्तेमाल नहीं हो पाता और इनकी स्टोरेज भी खत्म होने लगती है। यह आपके शरीर में विटामिन बी, सी, ई और सेलेनियम जैसे एंटीऑक्सीडेंट्स की कमी कर सकता है। ये पोषक तत्व जल्दी आने वाले बुढ़ापे से बचाने वाले सेलुलर रिपेयर और रीजनेरेशन के लिए जरूरी होते हैं।

## चूस लेगा विटामिन डी

निकोटीन का सेवन विटामिन डी और कैल्शियम व फॉस्फोरस का एब्जोर्प्शन रोक सकता है। जो कि हड्डियों की मजबूती के लिए जरूरी होते हैं। इनकी कमी से नाजुक हड्डियां, जोड़ों में अकड़न, हाथ-पैर में सुन्नपन और कमजोरी आ सकती है।

### करें ये काम

डॉक्टर ने बताया कि आपको स्मोकिंग व तंबाकू छोड़ने के तरीके जल्द से जल्द अपनाने चाहिए। लेकिन तबतक के लिए डाइट में ताजे फल और सब्जियों का सेवन बढ़ा दें। जिससे शरीर को एंटीऑक्सीडेंट्स, विटामिन व मिनरल्स की डेली डोज मिलती रहे।

## एक्टर्स को परेशान करना बंद करो, ट्रोलर्स पर भड़कीं पवित्रा पुनिया

एक्टर-एक्ट्रेस को अक्सर सर्जरी को लेकर ट्रोल किया जाता है। बीते दिनों अभिनेत्री मौनी रॉय को भी सर्जरी और फिलर्स को लेकर ट्रोल किया गया था। अब अभिनेत्री पवित्रा पुनिया ने ट्रोलर्स को सर्जरी को लेकर एक्टर्स को ट्रोल करने पर फटकार लगाई है। उन्होंने लोगों से किसी की व्यक्तिगत पसंद का सम्मान करने की बात कही है। साथ ही एक्टर्स के जीवन में दखल देना बंद करने को भी कहा है। बकवास करने से हमें कुछ नहीं होता पवित्रा पुनिया ने आज गुरुवार को अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा किया है। पवित्रा ने एक वीडियो साझा किया है। इसमें पवित्रा ने 'द डेविल वियर्स प्राडा 2' की स्क्रीनिंग से मौनी की एक तस्वीर वाला वीडियो साझा किया। वीडियो के ऊपर लिखा था, 'सभी ट्रोलर्स से, ट्रोल करना और अभिनेताओं को परेशान करना बंद करें। यह आपकी रसोई नहीं है और न ही आपका खाना। बकवास करने से हमें कुछ नहीं होता, लेकिन आप लोग ऐसे व्यवहार करते हैं जैसे आपको इसके लिए अतिरिक्त पैसे मिलते हों।'

### ट्रोल मत करो, चुप रहो

इस वीडियो में पवित्रा ने सीधे मुद्दे पर बात करते हुए कहा, 'ठीक है, मुझे नहीं पता आप लोगों को क्या दिक्कत है, लेकिन मुझे लगता है कि आप सबको ट्रोल करना बहुत पसंद है। कहीं न कहीं मुझे लगता है कि मीडिया भी इन तस्वीरों को पोस्ट करके और फिर कैप्शन को बहुत ही व्यंग्यात्मक और हास्यास्पद तरीके से लिखकर दर्शकों को अनुमान लगाने का मौका देकर इन चीजों का आनंद ले रहा है। सबसे पहले उन लोगों के लिए जो ट्रोल करना पसंद करते हैं, यह कहकर कि 'उन्होंने सर्जरी करवाई है, 500 सर्जरी करवाई हैं, 1 लाख सर्जरी करवाई हैं।' वो 1 लाख आपसे नहीं लिए गए हैं और हम आपसे सुझाव लेने नहीं आते। कम से कम इंडस्ट्री में कुछ लोग तो अब भी कहते हैं कि हां, हम वो कर रहे हैं। अगर आप वो करना चाहते हैं, अगर आपका परिवार वो करना चाहता है, तो कृपया आगे बढ़ें, पैसे खर्च करें और करें। ट्रोल मत करो। बस चुप रहो।'

# अनिल रविपुडी की मल्टीस्टारर फिल्म में कीर्ति सुरेश और कृति शेट्टी होंगी लीडिंग एक्ट्रेस

निर्देशक अनिल रविपुडी की आगामी मल्टी-स्टारर फिल्म घोषणा के बाद से ही लगातार चर्चाओं में बनी हुई है। इसमें वेंकटेश दग्गुबाती और नंदामुरी कल्याणराम मुख्य भूमिका में हैं। अब फिल्म की कास्टिंग को लेकर एक और बड़ी खबर सामने आ रही है। फिल्म में दो बड़ी हीरोइनों के भी शामिल होने की खबरें सामने आ रही हैं। फिल्म की कास्टिंग को लेकर सामने आ रही नई जानकारी के मुताबिक, कीर्ति सुरेश और कृति शेट्टी फिल्म में लीडिंग एक्ट्रेस के तौर पर नजर आएंगी। निर्देशक अनिल रविपुडी ने एक कार्यक्रम में संकेत दिया कि कृति शेट्टी नंदामुरी कल्याणराम के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी, जो एक नई जोड़ी होगी। वहीं हाल की खबरों के अनुसार, कीर्ति सुरेश को वेंकटेश के साथ कास्ट किए जाने की संभावना है। हालांकि, उनकी कास्टिंग को लेकर अभी कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। लेकिन इंडस्ट्री में चर्चा है कि उन्हें इस भूमिका के लिए फाइनल कर लिया गया है। एक दशक बाद साथ आ रहे नंदामुरी कल्याणराम और अनिल रविपुडी इस फिल्म के जरिए नंदामुरी कल्याणराम और अनिल रविपुडी लगभग एक दशक के बाद साथ में वापसी कर रहे हैं। इससे पहले निर्देशक ने 'पटास' से अपने करियर की शुरुआत की थी। साथ ही यह वेंकटेश और रविपुडी की साथ में पांचवीं फिल्म होगी, जो लगातार बॉक्स ऑफिस पर सफलता देने के लिए जाने जाते हैं। फिल्म की शूटिंग जून में शुरू होने की उम्मीद है, जिसके पहले शेड्यूल में वेंकटेश और कीर्ति सुरेश के नजर आने की संभावना है। यह शेड्यूल वेंकटेश द्वारा त्रिविक्रम श्रीनिवास द्वारा निर्देशित उनकी मौजूदा फिल्म 'आदर्श कुटुंबम' का काम पूरा करने के बाद शुरू होने की उम्मीद है।

### अनिल रविपुडी की पिछली फिल्म रही थी सफल

अनिल रविपुडी की आखिरी फिल्म 'माना शंकरा वर प्रसाद गारू' है, जिसमें चिरंजीवी मुख्य भूमिका में थे और वेंकटेश ने एक छोटा सा कैमियो रोल किया था। इस फिल्म में नयनतारा और कैथरीन ट्रेसा ने भी अहम भूमिकाएं निभाई थीं। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी। इसने चिरंजीवी के करियर की सबसे अधिक कमाई का रिकॉर्ड बनाया। वहीं वेंकटेश को आखिरी बार रविपुडी द्वारा निर्देशित फिल्म 'संक्रांतिकी वस्तुनम' (2025) में लीड रोल में देखा गया था।

# दिलजीत दोसांझ सिर्फ गायक नहीं, मनोरंजन का फुल पैकेज हैं

मशहूर गायक और अभिनेता दिलजीत दोसांझ भारत समेत पूरे विश्व में अपनी कला का परचम लहराते रहते हैं। उनकी लोकप्रियता का खुमार लोगों में इस कदर होता है कि कॉन्सर्ट के टिकट मिनटों में बिक जाते हैं और सोशल मीडिया पर उनकी हर अदा पर फैंस जान छिड़कते हैं। अभिनेता के प्रति दीवानगी आम जनता से लेकर मनोरंजन जगत के बड़े सितारों में भी देखने को मिलती है, जिनमें पंजाबी सिनेमा की अभिनेत्री गीता बसरा का नाम भी शामिल है। गीता बसरा ने पंजाबी आइकन अवॉर्ड्स 2026 के दौरान दिलजीत के प्रति अपनी दीवानगी जाहिर की। अभिनेत्री ने बातचीत में बताया कि वे दिलजीत उनके 'ऑल-टाइम फेवरेट' पसंदीदा पंजाबी कलाकार हैं। अभिनेत्री ने दिलजीत की खूबियों पर बात करते हुए कहा कि वह एक साथ कई प्रतिभाओं के धनी हैं। गीता ने कहा, 'दिलजीत सिर्फ एक बेहतरीन अभिनेता ही नहीं बल्कि गायक भी हैं। उनकी आवाज में वो जादू है, जो सीधे दिल तक पहुंचती है। वह एक शानदार सिंगर होने के साथ-साथ कमाल के एंटरटेनर भी हैं। सही मायनों में देखा जाए तो वह मनोरंजन का एक फुल पैकेज हैं।' गीता ने कहा कि दिलजीत ने पंजाबी संस्कृति और संगीत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक नई पहचान दी। वे कहती हैं, 'जिस तरह से दिलजीत ने ग्लोबल लेवल पर अपना नाम बनाया है, वैसा कारनामा अब तक बहुत कम कलाकार कर पाए हैं। उन्होंने दुनिया के बड़े मंचों पर भारत का नाम रोशन किया है। मैं उनकी बहुत बड़ी फैन हूं।' दिलजीत दोसांझ का चुलबुला अंदाज और अपनी जड़ों से जुड़े रहना ही उन्हें दूसरों से अलग बनाता है। चाहे उनकी फिल्में हों या लाइव परफॉरमेंस, उनकी एनर्जी हर किसी को झूमने पर मजबूर कर देती है। दिलजीत की बात करें तो वे जल्द ही दर्शकों के लिए फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' लेकर आ रहे हैं। यह फिल्म 1947 के बंटवारे की पृष्ठभूमि पर आधारित एक अधूरी प्रेम कहानी है।

# ग्लोरी में अपने किरदार पर पुलकित सम्राट ने रखी राय

एक्टर पुलकित सम्राट अपनी अपकमिंग सीरीज 'ग्लोरी' को लेकर चर्चा में हैं। इस सीरीज के साथ वह अगल क्षेत्र में कदम रख रहे हैं। इसमें वे अपनी जानी-पहचानी रोमांटिक इमेज को छोड़कर बॉक्सिंग की दुनिया पर आधारित भूमिका निभाई है। इसमें काफी शारीरिक मेहनत की जरूरत पड़ी। हाल ही में उन्होंने इस रोल के लिए की गई तैयारी के बारे में बताया है।

### उम्मीद से ज्यादा थी मेहनत

सम्राट ने एएनआई से बातचीत में कहा 'जब मैंने ट्रेनिंग शुरू की, तो मुझे लगा कि ठीक है, मैं पहले से ही फिट हूं, इसलिए मुझे बॉक्सर जैसा दिखने के लिए या बॉक्सिंग के लिए इतनी ज्यादा मेहनत करने की जरूरत नहीं है। लेकिन, जैसे ही मैंने ट्रेनिंग शुरू की, मुझे एहसास हुआ कि मैं बहुत पीछे हूं।'

### हर दिन कितनी करते थे ट्रेनिंग?

अपने हर दिन के रूटीन के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा 'एक एथलीट जैसा दिखे बिना एथलीट जैसी ट्रेनिंग करना मुमकिन नहीं है। इसलिए, मुझे सचमुच एक बॉक्सर की तरह ही ट्रेनिंग करनी पड़ी। मुझे बॉक्सिंग की हर बारीकी सीखनी पड़ी। मैं दिन में कम से कम 5-6 घंटे ट्रेनिंग करता था, जिसमें 2 घंटे बॉक्सिंग, 1-1.5 घंटे स्ट्रेंथ ट्रेनिंग और फिजियोथेरेपी शामिल होती थी। यह सब इसलिए किया जाता था ताकि मैं अगले दिन फिर से ट्रेनिंग के लिए जा सकूं और मेरे शरीर पर बहुत ज्यादा जोर न पड़े।' उन्होंने इस किरदार में जान डालने में मदद करने के लिए अपनी टीम को भी श्रेय दिया। उन्होंने कहा, 'मैं खुशकिस्मत हूं कि मुझे एक बहुत अच्छी टीम मिली।

# कॉमेडी एक्टर्स को मिलना चाहिए सम्मान

अरशद वारसी ने अपने तीन दशक लंबे करियर में हर तरह के किरदार निभाए हैं। कॉमेडी रोल से अपनी पहचान बनाने वाले अरशद ने ग्रे शेड कैरेक्टर, सीरियस कैरेक्टर और नेगेटिव रोल भी अदा किए हैं। यही कारण है कि अरशद वारसी का ऐसा मानना है कि फिल्म इंडस्ट्री में उनके लिए हमेशा एक जगह रहेगी। अरशद वारसी ने कॉमेडियंस या कॉमेडी करने वाले अभिनेताओं को कमतर आंके जाने पर निराशा जताते हुए ये उम्मीद जताई कि ऐसे कलाकारों को वो सम्मान मिले, जिसके वे हकदार हैं।

### इंडस्ट्री में मेरे लिए हमेशा जगह रहेगी

बातचीत में अरशद वारसी ने कहा कि फिल्म इंडस्ट्री में 30 साल सिर्फ एक संख्या नहीं है। यह एक उपलब्धि है। यह महत्वाकांक्षा से कहीं अधिक धैर्य का प्रमाण। बेशक इंडस्ट्री आपकी परीक्षा लेगा। कड़ी मेहनत तो हर कोई करता है, लेकिन अगर आप खुद पर और अपनी क्षमता पर दृढ़ विश्वास रखते हैं और धैर्य बनाए रखते हैं, तो निश्चिंत रहें कि एक दिन दूसरे भी आप पर विश्वास करेंगे। यही चीज मुझे आगे बढ़ाती रही। मैंने कभी हार नहीं मानी, न तब जब काम धीमा हो गया, न तब जब पहचान एक समान नहीं थी और न तब जब सिस्टम मेरे खिलाफ झुका मालूम हुआ। मुझे पूरा विश्वास है कि मैं एक अच्छा अभिनेता हूं और इस इंडस्ट्री में मेरे लिए जगह है। वास्तव में इस इंडस्ट्री में मेरे लिए हमेशा जगह रहेगी।

### कॉमेडी को नहीं मिलता सम्मान

अपनी बेमिसाल कॉमिक टाइमिंग के लिए मशहूर अरशद ने इस बात पर चिंता जताई कि कॉमेडी को अक्सर मुख्य भूमिकाओं से कैसे जोड़ा जाता है। उन्होंने कहा कि ज्यादातर कॉमेडियन, अभिनेता या उभरते हुए कलाकार जो कॉमेडी में माहिर हैं, उनके लिए यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हम इसे कमतर आंकते हैं। यह वाकई दुखद है। मुझे नहीं लगता कि कोई कभी किसी अभिनेता से पूछेगा कि क्या अभिनय में माहिर होना मुख्य भूमिका निभाने में बाधा बनता है। या क्या रोमांस और ड्रामा में माहिर होना एक सीमा बन जाता है। तो फिर कॉमेडी में माहिर होना मुख्य भूमिका निभाने में बाधा क्यों माना जाता है? कॉमेडी करने वाले लोगों को अक्सर सतही, गैर-गंभीर और कम बुद्धिमान समझा जाता है। जबकि असल में मजेदार होने के लिए आपको बेहद बुद्धिमान, जानकार, तेज और गंभीर होना पड़ता है। हर कोई जानता है कि कॉमेडी एक्टिंग का सबसे कठिन रूप है। ऐसे बहुत कम अभिनेता हैं जो वास्तव में कॉमेडी कर सकते हैं। कृपया उन्हें वह सम्मान दें जिसके वे हकदार हैं।

### अरशद वारसी की पाइपलाइन में हैं कई बड़ी फिल्में

वर्कफ्रंट की बात करें तो अरशद वारसी पिछले साल 'जॉली एलएलबी 3' और 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में नजर आए थे। इस साल भी उनकी पाइपलाइन में कई फिल्में हैं। इनमें 'वेलकम टू द जंगल' और 'धमाल 4' जैसी फ्रेंचाइजी फिल्में शामिल हैं। इसके अलावा उनके राजकुमार हिरानी के निर्देशन में भी नजर आने की संभावना है। वहीं अरशद तिग्मांशु धूलिया की आगामी फिल्म 'घमासान' में भी नजर आएंगे, इसमें वो कुख्यात डाकू दद्दुआ की भूमिका में दिखाई देंगे। जबकि इन दिनों अरशद 'गोलमाल 5' की शूटिंग में व्यस्त हैं।

### ओटीटी को लेकर चिंतित नहीं हैं अरशद

ओटीटी के बढ़ते वर्चस्व को लेकर अरशद वारसी का कहना है कि मुझे जिस तरह की फिल्में पसंद थीं, वैसी ही फिल्में अब ओटीटी पर बन रही हैं। मैं हमेशा से ऐसा अभिनेता रहा हूं जिसे कमर्शियल फिल्में पसंद थीं, लेकिन उनमें वास्तविकता का पुट होना चाहिए। मुझे तर्कहीन कहानी कहने का तरीका पसंद नहीं था। इसलिए मेरे लिए यह एक शानदार समय है क्योंकि जिस तरह की फिल्में मुझे पसंद थीं, वैसी ही फिल्में अब ओटीटी पर बन रही हैं। सिनेमा में आए सभी बदलावों को दिल से पसंद करता हूं। चाहे वो पहले कैसा भी रहा हो और आज जैसा भी हो। मुझे हिंदी फिल्म इंडस्ट्री का यह दौर अच्छा लगता है और मैं फिल्ममेकिंग के कमर्शियल और पैरलल दोनों पहलुओं की सराहना करता हूं। आखिरकार हमारी फिल्में अंतरराष्ट्रीय स्तर की दिख रही हैं।

# आरटीआई में अधूरी जानकारी, दिग्विजय क्लब निर्माण पर घिरा प्रशासन, उच्च स्तरीय जांच की मांग

*नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव*

दिग्विजय क्लब परिसर में निर्मित दुकानों को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। शहर के वरिष्ठ पत्रकार जितेन्द्र जैन "जीतू "ने पूरे मामले में अनियमितताओं, पारदर्शिता की कमी और संभावित वित्तीय गड़बड़ियों का आरोप लगाते हुए कलेक्टर को शिकायत सौंपकर उच्च स्तरीय जांच की मांग की है।

जैन द्वारा बताया गया कि उन्होंने मामले की जानकारी प्राप्त करने के लिए सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत 20 मार्च 2026 को आवेदन प्रस्तुत किया था। आवेदन कलेक्टर कार्यालय से नगर निगम को स्थानांतरित किया गया, लेकिन नगर निगम द्वारा दी गई जानकारी आंशिक और अपूर्ण बताई जा रही है।

### क्या हैं प्रमुख आरोप

वित्तीय अनियमितता की आशंका: निर्माण कार्य में कुल व्यय, निविदा प्रक्रिया और कार्य आदेश की जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई। निविदा प्रक्रिया संदिग्ध: यह स्पष्ट नहीं है कि निर्माण कार्य किस एजेंसी/ठेकेदार को और किस प्रक्रिया के तहत दिया गया।

भूमि एवं वैधानिक स्थिति पर सवाल: क्लब के बायलॉज में दुकानों के निर्माण की अनुमति और भूमि स्वामित्व (खसरा विवरण) स्पष्ट नहीं किया गया। आबंटन प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी: दुकानों के आवंटन की प्रक्रिया, आबंटियों की सूची, किराया/प्रीमियम और आय के उपयोग का कोई स्पष्ट विवरण उपलब्ध नहीं है। निर्माण गुणवत्ता पर भी प्रश्न: पूर्णता प्रमाण पत्र और निरीक्षण रिपोर्ट की जानकारी नहीं दी गई।

### कलेक्टर से की गई मांग

शिकायतकर्ता ने कलेक्टर से मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष एवं उच्च स्तरीय जांच कराई जाए, संबंधित विभागों से सभी दस्तावेज तलब किए जाएं और यदि अनियमितता पाई जाती है तो दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही जांच पूरी होने तक सभी रिकॉर्ड सुरक्षित रखने के निर्देश देने की भी मांग की गई है।

जैन ने कहा कि यह मामला जनहित से जुड़ा हुआ है और इसमें पारदर्शिता सुनिश्चित करना आवश्यक है। उन्होंने संकेत दिया कि यदि संतोषजनक कार्रवाई नहीं होती है तो वे आगे भी कानूनी एवं जनआंदोलन के माध्यम से इस मुद्दे को उठाएंगे।

**खास खबर**

## खेल मैदान में मेले का विरोध : खिलाड़ियों ने सड़क को बनाया पिच, एक घंटे तक किया चक्काजाम

*नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव*

शहर के खेल मैदानों पर व्यावसायिक आयोजनों और मेलों के आयोजन के खिलाफ खिलाड़ियों का गुस्सा फूट पड़ा है। रविवार सुबह राजनांदगांव के महावीर चौक पर उस समय स्थिति तनावपूर्ण हो गई जब 100 से अधिक खिलाड़ियों ने सड़क पर उतरकर प्रदर्शन किया और चक्काजाम कर दिया।

### विरोध का अनोखा तरीका : सड़क पर खेली क्रिकेट

8 मई से म्युनिसिपल स्कूल मैदान में लगने वाली 'मड़ई' की तैयारियों को देखकर खिलाड़ी आक्रोशित हो गए। विरोध दर्ज कराने के लिए खिलाड़ियों ने महावीर चौक पर बैरिकेड्स लगा दिए और आवाजाही पूरी तरह रोक दी। इसके बाद खिलाड़ियों ने सड़क के बीचों-बीच पिच बनाकर क्रिकेट खेलना शुरू कर दिया। लगभग एक घंटे तक चले इस प्रदर्शन के कारण शहर की यातायात व्यवस्था पूरी तरह ठप्प रही।

### करोड़ों का मोहरा मेला ग्राउंड उपेक्षित, स्कूल मैदानों पर दबाव

इस मुद्दे पर पूर्व पार्षद ऋषि शास्त्री ने भी प्रशासन को आड़े हाथों लिया है। उन्होंने कहा कि शहर में करोड़ों रुपये की लागत से मोहरा मेला ग्राउंड विकसित किया गया है, लेकिन वह उचित उपयोग के अभाव में उपेक्षित पड़ा है। इसके विपरीत, शहर के बीच स्थित म्युनिसिपल स्कूल, स्टेट स्कूल और प्यारेलाल स्कूल जैसे शैक्षणिक मैदानों पर लगातार मेलों और बड़े आयोजनों का बोझ डाला जा रहा है। इन आयोजनों से मैदानों की हालत खराब हो रही है, जिससे खिलाड़ियों के अभ्यास और स्कूली बच्चों के शारीरिक विकास में बाधा आ रही है।

## जनता के हाथ में है एक क्लिक से मोदी जी का सुषासन

*नरेन्द्र डाकलिया / राजनांदगांव*

देश भर में सुशासन का दौर चल रहा है। यदि हर व्यक्ती जागरूक हो कर अपनी जिम्मेदारी समझे तो हर कार्य सरलता से सम्पन्न हो सकता हैं। किसी वार्ड या शहर के किसी भी जगह कचर या गंदगी हो तो आपअपने मोबाइल में स्वच्छता ऐप में फोटो खींच कर डाल दीजिए बस आपका काम पूरा हो गया। केंद्रीय साफ सफाई मंत्रालय को काम दिखाने लगता है और वह निगम को लगा देता है की देखो यह क्या है। मित्रों मैंने कल शाम को सड़क के एक तरफ रखें कचरे का ढेर ऐप में फोटो खींच भेज दिया देखिए आज सुबह कचरा कूड़ा हट गया और मुझ से व्यू लिया गया कि सफाई हुई कि नहीं।

आप भी अपने आप को जागरूक जिम्मेदारी समझे और अपने आस पास अपने घर से दुकान, ऑफिस या कार्यस्थल जाने वाले रास्ते को साफ नहीं होने पर फोटो भेजना ना भूले। हा यह भी सत्य है कि आप अपनी निगम के अंतर्गत सभी समस्या को एक क्लिक से सही करवा सकते हैं। आपका समस्या निवारण आपके हाथ में हैं। संलग्न चित्र कल का साथ में आज कचरा उठता निगम का अमला और मुझसे काम होने का स्वीकृति। यह आम उपभोक्ताओं से मेरी अपील है स्वयं जागरूक बने, अपनी जिम्मेदारी समझे।

### प्रयास आवासीय विद्यालयों में कक्षा 9वीं प्रवेश के लिए प्राक्रयन परीक्षा 10 मई को

**बेमेतरा।** राज्य शासन की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री बाल भविष्य सुरक्षा योजना के अंतर्गत संचालित प्रयास आवासीय विद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए कक्षा 9वीं में प्रवेश हेतु प्राक्रयन परीक्षा की तिथि घोषित कर दी गई है। इसके साथ ही प्रवेश पत्र डाउनलोड करने की तिथियां एवं परीक्षा समय-सारिणी भी जारी कर दी गई है। जारी सूचना के अनुसार, प्रदेश के प्रतिभाशाली विद्याथियों को कक्षा 9वीं से 12वीं तक उत्कृष्ट स्कूली शिक्षा के साथ-साथ राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं—जैसे मेडिकल, इंजीनियरिंग, सीए, सीएस, सीएमए, क्लैट एवं एनडीए—की सुदृढ़ तैयारी कराने के उद्देश्य से प्रयास आवासीय विद्यालय संचालित किए जा रहे हैं।

## महिला का अपहरण कर 22 लाख की फिरौती मांगने वाले दो आरोपी हुए गिरफ्तार, पूर्व ड्राइवर निकला मास्टरमाइंड

*नई दृष्टिबिंदु / सूरजपुर*

सूरजपुर पुलिस ने महिला का अपहरण कर 22 लाख रुपये फिरौती मांगने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। अपहृत महिला को सकुशल बरामद कर लिया गया है। मुख्य आरोपी पीड़ित परिवार के यहां 18 महीने तक ड्राइवर रह चुका है। उसे पता था कि प्रार्थी एसईसीएल से रिटायर हुआ है और बड़ी रकम मिली है।

### ऐसे रची गई साजिश

29 अप्रैल को प्रार्थी अंबिकापुर गया था। घर में पत्नी अकेली थी। दोपहर करीब 3:30 बजे घर लौटने पर पत्नी नहीं मिली। 3:50 बजे पत्नी के मोबाइल से फोन आया और अज्ञात व्यक्ति ने 22 लाख रुपये की फिरौती मांगी। रिपोर्ट पर थाना सूरजपुर में अपराध क्रमांक 285/26 धारा 140(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज हुआ।

डीआईजी व एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर ने 3 टीम गठित की। पुलिस ने इलाके में सायरन बजाकर पेट्रोलिंग की। रात 11:45 बजे संदेही ने फोन किया तो प्रार्थी ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज हो चुकी है और पुलिस तलाश कर रही है।

### पानी मांगने के बहाने घर में घुसे

पुलिस ने मानपुर से रौशन देवांगन को पकड़ा। पूछताछ में उसने बताया कि वह प्रार्थी का ड्राइवर था। पैसों के लालच में शेख इशू और एक अन्य साथी के साथ अपहरण की योजना बनाई। आरोपी पीने का पानी मांगने के बहाने घर में घुसे। महिला का मुंह-आंख टेप से बंद कर, हाथ-पैर बांधकर डुमरिया स्थित टायर पंचर दुकान ले गए। फिर महिला का मोबाइल लेकर रूनियाडीह से फिरौती का कॉल किया।

### पुलिस के दबाव में छोड़ा

पकड़े जाने के डर और पुलिस की लगातार पेट्रोलिंग से आरोपी डर गए। उन्होंने घायल महिला को पर्री-चंदरपुर बाईपास रोड पर छोड़ दिया। कंबल, रस्सी और टेप वहीं जला दिए। महिला एक घर पहुंची और मोबाइल से सूचना दी। पुलिस ने उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया।

रौशन के पकड़े जाने की खबर पर शेख इशू बिलासपुर भाग रहा था। पुलिस ने केतका में घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। आरोपियों के पास से महिला का मोबाइल, जला हुआ कंबल, रस्सी, टेप, एक बाइक, स्कूटी और 2 मोबाइल जब्त किए गए।

गिरफ्तार आरोपी में रौशन देवांगन, 21 वर्ष, महुआपारा, सूरजपुर और शेख इशू, 23 वर्ष, शांतीगली मस्जिदपारा, सूरजपुर। फरार तीसरे आरोपी की तलाश जारी है। कार्रवाई में सीएसपी बेनार्ड कुजूर, एसडीओपी अभिषेक पैंकरा, थाना प्रभारी विमलेश दुबे और टीम सक्रिय रही।

## मवेशी चोरी का खुलासा, 5 आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

*नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव*

जिले में मवेशी चोरी के एक मामले में पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने न केवल चोरी गए मवेशियों को बरामद किया, बल्कि इस मामले में शामिल पांच आरोपियों को गिरफ्तार भी कर लिया है। इसके साथ ही घटना में प्रयुक्त वाहन और नगदी सहित कुल 96 हजार रुपये की संपत्ति भी जब्त की गई है। यह मामला लालबाग थाना क्षेत्र का है, जहां प्रार्थी रुस्तम यादव ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसने 24 अप्रैल को अपने मवेशियों को चरने के लिए छोड़ा था। लेकिन शाम तक दो गाय और एक भैंस वापस नहीं लौटे। काफी तलाश के बाद भी जब मवेशियों का कोई सुराग नहीं मिला, तो उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई। जांच के दौरान पुलिस को महत्वपूर्ण सुराग मिला, जिसमें कुछ संदिग्ध व्यक्ति मवेशियों को जंगलपुर स्थित आरुगविला क्षेत्र की ओर ले जाते हुए दिखाई दिए। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने संदिग्धों की पहचान कर कार्रवाई तेज की और कुछ ही घंटों के भीतर आरोपियों को हिरासत में ले लिया। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने स्वीकार किया कि उन्होंने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर मवेशियों की चोरी की वारदात को अंजाम दिया था।

पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर चोरी की गई संपत्ति भी बरामद कर ली। इसमें दो गाय और एक भैंस शामिल हैं, जिनकी अनुमानित कीमत लगभग 70 हजार रुपये बताई जा रही है। इसके अलावा घटना में इस्तेमाल की गई एक मोटरसाइकिल भी जब्त की गई है, जिसकी कीमत करीब 20 हजार रुपये आंकी गई है। साथ ही पुलिस ने आरोपियों के पास से बिक्री की 6 हजार रुपये नकद राशि भी बरामद की है। इस तरह कुल मिलाकर 96 हजार रुपये की संपत्ति पुलिस ने अपने कब्जे में ली है। इस मामले में कुल पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि इनमें से दो आरोपी तामेश्वर यादव और समीर यादव पहले भी आपराधिक गतिविधियों में शामिल रह चुके हैं।

## तीन राज्यों में जीत पर खैरागढ़ में भाजपा का जश्न

*नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़*

खैरागढ़ तीन राज्यों में भारतीय जनता पार्टी की जीत का जश्न खैरागढ़ में पूरे उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। शहर के प्रमुख स्थल राजीव चौक पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने एकत्रित होकर पटाखे फोड़े और मिठाइयां बांटी।

इस दौरान पूरे क्षेत्र में उत्सवी माहौल नजर आया और कार्यकर्ताओं में खासा जोश देखने को मिला। कार्यकर्ताओं ने इस जीत को विकास और जनविश्वास की जीत बताते हुए कहा कि भाजपा लगातार हर वर्ग के लोगों की पसंद बनती जा रही है। उन्होंने जीत का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और उनकी नीतियों को दिया जिनके माध्यम से सभी वर्गों को साथ लेकर विकास कार्य किए जा रहे हैं। जिलापंचायत उपाध्यक्ष विक्रांत सिंह ने कहा कि यह जीत आम जनता के भरोसे और केंद्र सरकार के कार्यों की सफलता का परिणाम है। पार्टी ने हमेशा सबका साथ सबका विकास के मूल मंत्र पर काम किया है, जिससे समाज के हर वर्ग का समर्थन भाजपा को मिल रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में भी भाजपा जनहित के मुद्दों पर इसी तरह सक्रिय रहकर काम करती रहेगी। पश्चिम बंगाल, असम और पांडिचेरी में मिली सफलता की खुशी पूरे जिले में दिखाई दी।

इस अवसर पर विक्रांत सिंह, घम्मन साहू, बिसेसर साहू, आयश सिंह बोनी, ललित चोपड़ा, दिनेश वर्मा, टी.के. चंदेल, शशांक ताम्रकार, गोरेलाल वर्मा, शैलेन्द्र त्रिपाठी, शैलेन्द्र मिश्रा, विकेश गुप्ता, श्यामसुंदर साहू, डोरे लाल साहू, नीलिमा गोस्वामी, प्रीति यादव, आलोक श्रीवास, विनय देवांगन, प्रेम सागर गुप्ता, यतीश सिंह, पंकज ठाकुर, हर्षवर्धन वर्मा, अजय जैन, प्रकाश सिंह, संजय शर्मा, पीताम्बर वर्मा, अनुज देवांगन, आयूब सोलंकी, वंदना टांडेकर, नीलम राजपूत सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

## नंदिनी अहिवारा बस स्टैंड पर सख्ती: कई वाहन चालकों पर कार्रवाई, चालान से मचा हड़कंप

*नई दृष्टिबिंदु / नंदिनी अहिवारा*

नगर पालिका अहिवारा के बस स्टैंड क्षेत्र में अव्यवस्थित पार्किंग और यातायात बाधित करने वालों के खिलाफ प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए व्यापक अभियान चलाया। नंदिनी थाना प्रभारी प्रशिक्षण डीएसपी दानेश्वर प्रसाद साहू और सीएमओ प्रवीण गहलोत के निर्देशन में संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया।

अभियान के दौरान सड़क किनारे अवैध रूप से खड़े कई वाहनों को हटवाया गया और नियमों का उल्लंघन करने वाले चालकों पर जुर्माना लगाया गया। कार्रवाई के तहत राजा खान पर 1000, लल्ला यादव पर 1000, अरुण दास पर 500 और दीपक साहू पर 1000 का चालान किया गया। इसके अलावा ई-रिक्शा चालकों पर भी विशेष कार्रवाई करते हुए लगभग 100 चालान काटे गए।

प्रशासन की यह कार्रवाई केवल बस स्टैंड तक सीमित नहीं रही, बल्कि बेरला चौक क्षेत्र में भी सख्ती बरती गई और यातायात व्यवस्था को दुरुस्त किया गया। तेज धूप के बावजूद प्रशासनिक अमला पूरी मुस्तैदी के साथ डटा रहा, जिससे बस स्टैंड परिसर में व्यवस्था बहाल हुई और आम लोगों को राहत मिली।

अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि शहर में यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए ऐसे अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

**मुख्य बिंदु:**

- अवैध पार्किंग करने वालों पर सख्त कार्रवाई
- कई वाहन चालकों के काटे गए चालान
- ई-रिक्शा पर विशेष अभियान, लगभग 100 चालान
- बेरला चौक पर भी प्रशासन की सख्ती
- यातायात व्यवस्था हुई सुचारू

# अहिवारा तहसील क्षेत्र में पट्टे की जमीन का काला खेल, गरीबों के हक पर भू-माफियाओं का कब्जा

*नई दृष्टिबिंदु / नंदिनी अहिवारा*

दुर्ग जिले के अहिवारा तहसील क्षेत्र से एक गंभीर मामला सामने आया है, जहां शासन द्वारा गरीब, कमजोर और भूमिहीन परिवारों को जीवनयापन के लिए दी गई शासकीय पट्टे की जमीन अब अवैध खरीद-फरोख्त का जरिया बनती जा रही है। नियमों के अनुसार ऐसी जमीन न तो बेची जा सकती है और न ही किसी अन्य के नाम हस्तांतरित की जा सकती है, लेकिन जमीनी हकीकत इसके बिल्कुल उलट नजर आ रही है।

सूत्रों के अनुसार, कुछ पट्टाधारी भू-माफियाओं के साथ सांठगांठ कर इन जमीनों को गुपचुप तरीके से बेच रहे हैं। इस पूरे खेल में लाखों रुपये का लेन-देन हो रहा है, जबकि कागजों में जमीन को मूल पट्टाधारी के नाम दर्ज को नामांतरण हो रहे हैं। इससे न केवल शासन

के नियमों की खुलेआम अवहेलना हो रही है, बल्कि वास्तविक जरूरतमंदों के अधिकारों पर भी सीधा प्रहार हो रहा है।

मामले की शिकायत कई बार जिला कलेक्टर कार्यालय दुर्ग से की जा चुकी है। कलेक्टर द्वारा जांच के लिए प्रकरण अहिवारा तहसीलदार को भेजा जाता है, लेकिन कार्रवाई की गति बेहद धीमी बनी हुई है। शिकायतकर्ता लगातार तहसील कार्यालय के चक्कर काट रहे हैं, पेशी पर पेशी दी जा रही है, लेकिन ठोस कार्रवाई अब तक नहीं हो सकी है। इससे पीड़ितों में भारी आक्रोश है और प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

इस पूरे मामले में एक और गंभीर पहलू सामने आया है। आरोप है कि शासकीय पट्टे की भूमि को बेचने के लिए रजिस्ट्री कार्यालय में दस्तावेजों के साथ कूटरचना (फर्जीवाड़ा) किया जा रहा है। रजिस्ट्री बयानामा या विक्रय पत्र में यह उल्लेख किया जाता है कि संबंधित भूमि पट्टे की नहीं है, जबकि वास्तविक स्थिति इससे अलग होती है। इसके बाद नामांतरण (म्यूटेशन) की प्रक्रिया में भी अनियमितताएं सामने आ रही हैं।

नियमों के अनुसार तहसीलदार और पटवारी का दायित्व है कि वे उपलब्ध राजस्व अभिलेखों के आधार पर भूमि की प्रकृति की गहन जांच करें, क्योंकि सभी मूल दस्तावेज उनके पास सुरक्षित रहते हैं। इसके बावजूद बिना समुचित जांच-पड़ताल किए नामांतरण प्रमाणित किया जा रहा है, जो गंभीर लापरवाही और नियमों के उल्लंघन की ओर संकेत करता है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि बिना प्रशासनिक मिलीभगत के इस तरह की अवैध खरीदी-बिक्री संभव नहीं है। तहसील स्तर पर कार्रवाई में हो रही देरी और निष्क्रियता ने संदेह को और गहरा कर दिया है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते सख्त कदम नहीं उठाए गए, तो यह मामला और व्यापक रूप ले सकता है और बड़े स्तर पर सरकारी जमीनों का दुरुपयोग जारी रहेगा।

यह पूरा प्रकरण अब प्रशासन की पारदर्शिता और जवाबदेही पर भी गंभीर सवाल खड़ा कर रहा है। एक ओर शासन गरीबों को जमीन देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की बात करता है, वहीं दूसरी ओर उन्हीं जमीनों पर अवैध कब्जा और सौदेबाजी व्यवस्था की कमजोरियों को उजागर कर रही है।

अब देखना यह है कि प्रशासन इस गंभीर मामले में कब तक ठोस कार्रवाई करता है और क्या वास्तव में दोषियों भूमाफियाओं एवं संलिप्त अधिकारियों पर कानून का शिकंजा कस पाता है या नहीं।

# भाजपा का प्रदर्शन चुनावी स्टंट, आयुक्त पर बोलने से क्यों रोका – महापौर नीरज पाल

*नई दृष्टिबिंदु / भिलाई*

नगर निगम के महापौर नीरज पाल ने भाजपा के धरना-प्रदर्शन को 'राजनीतिक दिवालियापन' और 'चुनावी रिहर्सल' बताया है। उन्होंने कहा कि कल तक आयुक्त के खिलाफ प्रस्ताव में साथ खड़े भाजपा पार्षद आज संगठन के दबाव में मूल मुद्दा भूल गए हैं।

### पार्षदों को आयुक्त पर बोलने से रोका गया

महापौर ने आरोप लगाया कि भाजपा संगठन ने बैठक कर पार्षदों को निर्देश दिया कि प्रदर्शन में आयुक्त के खिलाफ एक शब्द न बोलें। उन्होंने कहा, "सदन में आयुक्त की कार्यशैली के खिलाफ प्रस्ताव सर्वसम्मति से पास हुआ था। कांग्रेस ने जनहित में समर्थन दिया। अब भाजपा पार्षद मुद्दे से भटक गए हैं। संगठन का दबाव इतना है कि पार्षदों की स्वतंत्र सोच खत्म हो गई।"

### 2 साल से महापौर निधि बंद, 6 महीने से पेंशन रुकी

प्रदेश सरकार पर निशाना साधते हुए महापौर बोले कि 2 साल से भाजपा सरकार ने महापौर निधि रोक रखी है। इससे शहर के विकास कार्य ठप हैं। वहीं 6 महीने से विधवा और वृद्धावस्था पेंशन बंद है। 300 के लिए बुजुर्ग और विधवाएं निगम के चक्कर काट रही हैं।

### प्रदर्शन सिर्फ चुनावी हथकंडा

नीरज पाल ने कहा कि भाजपा का प्रदर्शन आयुक्त के खिलाफ नहीं, अगले निगम चुनाव की तैयारी है। "भ्रष्टाचार का आरोप आयुक्त पर था। भुगतान और फाइलें वही देखते हैं। इसी पर हम एकमत थे। अब भाजपा इसे राजनीतिक रंग देकर जनता को गुमराह कर रही है।"

महापौर ने कहा कि भिलाई की जनता भाजपा का दोहरा चरित्र पहचान चुकी है। "एक तरफ शहर सरकार को फंड नहीं देते, योजनाओं का गला घोंटते हैं। दूसरी तरफ विफलता छिपाने को झूठे प्रदर्शन करते हैं।"

### परियोजना शाखा को बना दिया टेंडर शाखा

महापौर ने कहा कि परियोजना शाखा नई योजनाओं का डीपीआर बनाने के लिए बनी थी, लेकिन आयुक्त राजीव पाण्डेय ने इसे मनमाने तरीके से टेंडर शाखा में बदल दिया। जबकि निगम में जोनवार व्यवस्था पहले से थी। इसका मकसद पसंदीदा ठेकेदारों को लाभ पहुंचाना था। उन्होंने बताया कि एमआईसी ने पहले ही इसकी जांच की मांग की थी, पर तब किसी ने आवाज नहीं उठाई। भाजपा पार्षदों ने कलेक्टर से शिकायत की, जांच समिति बनी, मगर जांच नहीं हुई। नीरज पाल ने चुनौती दी कि भाजपा की राज्य सरकार परियोजना शाखा की जांच करा ले, सच सामने आ जाएगा।

# बंगाल में बड़ा उलटफेर : भवानीपुर में ममता बनर्जी हारीं, भाजपा 206 सीटों के साथ रहा सबसे आगे

*नई दृष्टिबिंदु / कोलकाता*

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में बड़ा उलटफेर हुआ है। भवानीपुर सीट से भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को 15,105 वोटों से हरा दिया है। कुल 293 सीटों के नतीजों में भाजपा 206 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। वहीं तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को 81 सीटों पर जीत मिली है।

### भवानीपुर में हाईप्रोफाइल मुकाबला

भवानीपुर सीट पर पूरे राज्य की नजर थी। यहां भाजपा ने नंदीग्राम से विधायक शुभेंदु अधिकारी को ममता बनर्जी के खिलाफ उतारा था। कड़े मुकाबले में शुभेंदु अधिकारी ने 15,105 मतों के अंतर से जीत दर्ज की। 2021 के उपचुनाव में ममता बनर्जी ने इसी सीट से 58,000 से अधिक वोटों से जीत हासिल की थी।

### टीएमसी का गढ़ ढहा

दक्षिण बंगाल को टीएमसी का गढ़ माना जाता था। इस बार भाजपा ने दक्षिण बंगाल के साथ उत्तर बंगाल और जंगलमहल में भी बढ़त बनाई। कोलकाता की कई सीटों पर भी भाजपा उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की।

### भाजपा को पूर्ण बहुमत

293 सदस्यीय विधानसभा में बहुमत के लिए 147 सीटें जरूरी हैं। भाजपा ने 208 सीटें जीतकर स्पष्ट बहुमत हासिल कर लिया है। टीएमसी 78 सीटों पर सिमट गई। 2021 के चुनाव में टीएमसी ने 213 सीटें जीती थीं, जबकि भाजपा को 77 सीटें मिली थीं। इस बार भाजपा ने 131 सीटों का फायदा उठाया है।

मतगणना पूरी होने के बाद चुनाव आयोग ने अंतिम आंकड़े जारी किए। भाजपा के कई वरिष्ठ नेताओं ने इसे बंगाल में परिवर्तन की लहर बताया। वहीं टीएमसी खेमे में हार के कारणों पर मंथन शुरू हो गया है। नई सरकार के गठन की प्रक्रिया जल्द शुरू होगी। भाजपा विधायक दल की बैठक में मुख्यमंत्री के नाम पर फैसला लिया जाएगा।

### क्या कहते हैं आंकड़े

- कुल सीटः 293
- भाजपाः 208
- टीएमसीः 78
- अन्यः 7

# बरसात से पूर्व नाला और नालियों की सफाई युद्ध स्तर पर

*नई दृष्टिबिंदु / भिलाई*

नगर पालिक निगम भिलाई के जोन क्रमांक 2 वैशाली नगर क्षेत्रांतर्गत वार्ड 23 घासीदास नगर, बौद्ध बिहार के पीछे स्थित हाउसिंग बोर्ड बस्ती में वर्षा ऋतु पूर्व नाला सफाई अभियान चलाया जा रहा है।

इस अभियान के तहत नाले में जमा कचरा एवं गंदगी को निकालकर व्यवस्थित रूप से हटाया जा रहा है, ताकि बारिश के दौरान जलभराव की समस्या उत्पन्न न हो। सफाई कार्य से क्षेत्र में जल निकासी व्यवस्था सुचारू होगी और नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। निगम द्वारा मानसून से पहले इस प्रकार के सफाई कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है, जिससे शहर में स्वच्छता बनी रहे और बीमारियों के फैलने की संभावना भी कम हो। साथ ही नागरिकों से भी अपील की गई है कि वे नालियों में कचरा न डालें और स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करें।

# जनता ने भाजपा पर जताया विश्वास : मनीष पाण्डेय

## पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी में सुशासन और विकास की लहर

*नई दृष्टिबिंदु / भिलाई*

भाजपा नेता एवं श्रीराम जन्मोत्सव समिति के युवा विंग अध्यक्ष मनीष पाण्डेय ने पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी में भाजपा व एनडीए गठबंधन की जीत को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि यह जनादेश जनता के विश्वास, सुशासन और विकास की नीतियों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल की जनता ममता बनर्जी सरकार के कुशासन और घुसपैठ की समस्या से त्रस्त थी, और इस बार उन्होंने इसका मुंहतोड़ जवाब देते हुए भाजपा को विजयी बनाया है।

श्री पाण्डेय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने जिस पारदर्शी और जवाबदेही वाले

शासन की दिशा तय की है, उसी पर जनता ने भरोसा जताया है। महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान, युवाओं को अवसर और रोजगार, तथा समाज के हर वर्ग के लिए विकास की योजनाएँ इस जीत का आधार बनी हैं। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह जी की रणनीतिक दृष्टि और भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन जी के संगठनात्मक नेतृत्व ने कार्यकर्ताओं को नई ऊर्जा दी। यही कारण है कि पश्चिम बंगाल में पहली बार एवं असम में तीसरी बार जनता ने विकास को चुना। श्री पाण्डेय ने ऐतिहासिक जीत पर सभी निष्ठावान कार्यकर्ताओं का अभिनंदन किया एवं सभी मतदाताओं का धन्यवाद दिया है।

श्री पाण्डेय ने पुडुचेरी की जीत को लेकर कहा कि एनडीए गठबंधन की सफलता यह दर्शाती है कि जनता को स्थिर और विकासोन्मुख सरकार चाहिए। उन्होंने कहा कि यह जनादेश स्पष्ट करता है कि जनता अब केवल वादों पर नहीं, बल्कि ठोस काम और परिणामों पर विश्वास करती है। यही लोकतंत्र की असली जीत है।

## सराफा एसोसिएशन का अनूठा सेलिब्रेशन : बंगाल की जीत पर शहर में बांटी गई झालमुड़ी

# जब सराफा अध्यक्ष कमल सोनी बने 'झालमुड़ी वाले' : बंगाल में भाजपा की जीत पर शहर में दिखा जश्न का अलग रंग

*नई दृष्टिबिंदु / बिलासपुर*

छत्तीसगढ़ सराफा एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष कमल सोनी ने पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत पर खुशी जाहिर करते हुए शहर में अनोखे अंदाज में जश्न मनाया। उन्होंने कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों के बीच झालमुड़ी बांटकर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की।

इस मौके पर कमल सोनी ने कहा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन जी के मार्गदर्शन व सौरभ सिंह की नेतृत्व में पिछले डेढ़ महीने से बिलासपुर सराफा के कुछ कार्यकर्ता लगातार पश्चिम बंगाल चुनाव में जीत के लिए मेहनत कर थे, आज इस जीत के बाद

बंगाल की जनता को साधुवाद देते हुए कहा कि ऐसे अवसर पर खुशी मनाना जरूरी है। पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत जनता के विश्वास और विकास की जीत है। उन्होंने इसे देशभर में पार्टी के बढ़ते प्रभाव का संकेत बताया। जश्न के दौरान बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे और सभी ने एक-दूसरे को बधाई दी।

कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने भी उत्साह के साथ इस जीत का स्वागत किया और झालमुड़ी का आनंद लेते हुए खुशी साझा की। शहर में इस आयोजन ने एक अलग ही माहौल बना दिया।

# होलेकसा में जंगली सूअर का हमला, 10 लोग घायल, 5 की हालत गंभीर

*नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव*

एलबी नगर के पास होलेकसा गांव में सोमवार को जंगली सूअर ने ग्रामीणों पर हमला कर दिया। हमले में 10 लोग घायल हो गए। इनमें 5 की हालत गंभीर बताई जा रही है। सभी घायलों को उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज लाया जा रहा है।

घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों के मुताबिक, सूअर ने अचानक बस्ती में घुसकर लोगों पर हमला कर दिया। चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग दौड़े और शोर मचाकर सूअर को भगाया। गंभीर घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद राजनांदगांव मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। वन विभाग की टीम को सूचना दे दी गई है। ग्रामीणों ने वन विभाग से इलाके में गश्त बढ़ाने और जंगली जानवरों से सुरक्षा के इंतजाम करने की मांग की है।

### बंद मकान से सोने-चांदी के आभूषणों की चोरी

भिलाई। सुपेला थाना क्षेत्र अंतर्गत पाश कालोनी नेहरू नगर पश्चिम में चोरों ने बंद मकान में सामने का दरवाजा का ताला तोड़कर धावा बोलकर सोने चांदी के जेवरात, नगदी सहित लाखों रुपए के जेवरात पर हाथ सफाई कर दिये है घटना सोमवार के दोपहर 12:30 बजे से रात्रि 2 बजे के बीच की बताई जाती है, चोरों ने सामने के घर का ताला तोड़कर वारदात को अंजाम दिया घटना के समय मकान मालिक अपने परिवार सहित अग्रपाली सोसायटी में अपनी भतीजी के विवाह के कार्यक्रम में शामिल होने परिवार के साथ गए हुए थे। मकान मालिक विनय कुमार अग्रवाल नेहरू नगर पश्चिम में किराए के मकान में रहते हैं उसे मकान में सीसीटीवी कैमरा भी नहीं लगा है और आसपास के मकानों में भी सीसीटीवी कैमरा उपलब्ध नहीं है रात्रि 2 बजे परिवार के साथ वापस आने पर सामने का दरवाजा खुला देखकर चोरी की घटना का आभास हुआ।

# चार धाम की यात्रा पर गए भिलाई के पूनम चंद गुप्ता की दुर्घटना में इलाज के बाद में निधन

*नई दृष्टिबिंदु / भिलाई*

चार धाम की यात्रा पर गए भिलाई के पीडब्ल्यूडी के सेवानिवृत्त अधिकारी पूनम चंद्र गुप्ता अपनी पत्नी भिलाई कसौधन वैश्य समाज की पूर्व अध्यक्ष अनीता गुप्ता के साथ चार धाम की यात्रा पर गए थे। यमुनोत्री में घोड़े से चढ़ाई के दौरान घोड़े पर बैठने वाला काठी टूट जाने के कारण उनका पैर घोड़े पर लगे पैर टिकाने के लिये लगे लोहे के छल्ले मे फंस गया जिससे उनके कमर के पास की हड्डी टूट गई उन्हें एंबुलेंस से दिल्ली लाया गया। दिल्ली के फोर्टिस हॉस्पिटल में हार्ट की सर्जरी के दौरान पल्स लो होने के कारण अचानक उनका निधन हो गया।

उनकी पत्नी अनीता गुप्ता ने बताया कि सुबह चाय बिस्कुट नाश्ता की

और हंसी-खुशी बहुत सारी बातें हुई अपने पुत्र को पश्चिम बंगाल के रिजल्ट को भेजा पूनमचंद गुप्ता का उनकी अंत्येष्टि भिलाई के स्मृति नगर निवास से उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा उनका पुत्र अमेरिका से रात्री 8 बजे फ्लाइट होने के कारण कल रात्रि तक उनका भिलाई पहुंचना होगा इसलिए संभवतः उनका अंतिम संस्कार 6 मई दिन बुधवार को उनके पुत्र शुभी गुप्ता के पहुंचने पर अंतिम संस्कार किया जाएगा।

उनके निधन पर भिलाई का संबंध वैसे समाज ने गहरा दुख व्यक्त किया है भिलाई का चंदन वैसे समाज के पूर्व अध्यक्ष शारदा गुप्ता ने कहा कि वह बहुत ही मिलनसार और व्यक्तित्व के धनी व्यक्ति थे समाज के कार्य में बढ़-चढ़कर पूनमचंद गुप्ता एवं उनकी पत्नी अनीता गुप्ता राष्ट्रीय संयोजिका हमेशा के कार्य के कार्य में सदैव बढ़चढ़ कर हिस्सा लेते थे हमारे समाज के पुर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष गुप्ता एवं उनके भाई राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष शिव कुमार गुप्ता ने बहुत गहरा दुख व्यक्त किया है इसी विधि के विधान के आगे हम सब नतमस्तक है।

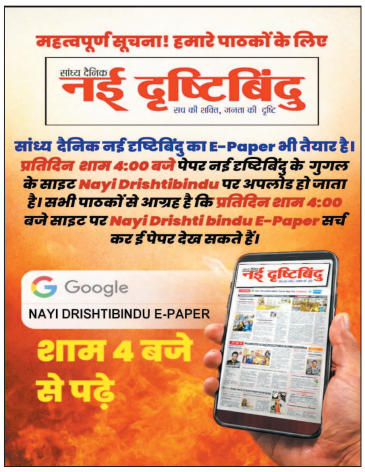


"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100